News सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-331

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

कोशिश करने वालों के लिए,कुछ भी असंभव नहीं होता !

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, सोमवार 04 मार्च 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

नितिन गडकरी का नाम लेकर बीजेपी पर भड़के उद्धव ठाकरे,

बोले- हम मोदी-शाह को जानते भी नहीं थे

मुंबई । शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी की पहली सूची जारी होने पर प्रतिक्रिया दी है। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का नाम लिस्ट में नहीं होने पर जमकर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि 'हम मोदी और शाह जैसे नामों को जानते भी नहीं थे।' भाजपा ने शनिवार को 195 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान ठाकरे ने कहा, 'हम भाजपा को प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे की वजह से जानते हैं। हमारे उनके साथ पारिवारिक संबंध हैं और महाजन को भाजपा-शिवसेना गठबंधन का आर्किटेक्ट कहा जाता था। गडकरी बाद में आए। हम मोदी और शाह जैसे नामों को जानते भी नहीं थे।' ठाकरे ने कहा, 'उन्होंने (गडकरी) ने मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे और मुंबई में 55 फ्लायओवर बनाकर बहुत अच्छे काम किए हैं। वह कद्दावर भाजपा नेता हैं, लेकिन उनका नाम उम्मीदवारों की पहली सूची में नहीं है।' उन्होंने आय से अधिक संपत्ति के मामले में फंसे कृपाशंकर सिंह का नाम लिस्ट में होने पर हैरानी जाहिर की। ठाकरे ने कहा कि दिल्ली में सरकार बनाने में महाराष्ट्र बड़ी भूमिका निभाता है और पिछले चुनाव में भाजपा और शिवसेना ने 42 सीटें जीती थीं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र की सीटों के बगैर एनडीए 250 सीटों का भी आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा, 'इस बार भाजपा ने नारा दिया है कि अबकी बार 400 पार, लेकिन मैं कहता हूं कि अबकी बार भाजपा तड़ीपार।' उन्होंने कहा कि वह मोदी के नहीं, बल्कि तानाशाही के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, 'हमें लोकतंत्र चाहिए और इसलिए हम एक विकल्प पेश कर रहे हैं। हमारे बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हम साथ लोकतंत्र बचाने के लिए आए हैं।' उन्होंने मणिपुर का मुद्दा उठाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा।

केजरीवाल सरकार का बड़ा ऐलान

दिल्ली में महिलाओं को अब हर महीने मिलेंगे 1000 रुपये

नई दिल्ली- दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी मार्लेना ने सोमवार को विधानसभा में अरविंद केजरीवाल सरकार के बजट पेश करते हुए कई बड़े ऐलान किए. आतिशी ने घोषणा की कि आम आदमी पार्टी की सरकार 18 साल से ऊपर की महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देगी. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत यह सम्मान राशि दी जाएगी. आतिशी मार्लेना ने यह ऐलान करते हुए कहा, 'रामराज्य का अगला सिद्धांत महिला सुरक्षा है. एक महिला होने के नाते मुझे गर्व है कि महिलाओं की जरूरतों को सबसे आगे रखा है. बिजली-पानी का बिल, मोहल्ला क्लिनिक हो, या बुजुर्ग माताओं को तीर्थ पर भेजना होज 2014 और 2024 तुलना में महिलाओं को बेहतर जिंदगी देने की कोशिश की है.' उन्होंने इसके साथ ही कहा, 'आज दिल्ली सरकार के स्कूलों में 9 लाख से ज्यादा लड़कियां पढ़ रही हैं. दिल्ली सरकार के स्कूलों के पढ़ने वाली 933 लड़कियों ने NEET और 123 लड़कियों ने JEE की परीक्षा पास की है.'

रामचरित मानस की चौपाई से की हेल्थ बजट की शुरुआत- आतिशी मार्लेना ने हेल्थ बजट की भी शुरुआत रामचरितमानस की चौपाई के साथ की. उन्होंने सालाना बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 8,685 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा. इसमें से 6,215 करोड़ रुपये अस्पतालों में अच्छी सुविधाएं बनाए रखने के लिए रखे गए हैं. वहीं मोहल्ला क्लिनिक के माध्यम से चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए 212 करोड़ रुपये रखे गए हैं. दिल्ली की वित्त मंत्री ने कहा, 'इस वित्तीय वर्ष के लिए दिल्ली सरकार के अस्पतालों में आवश्यक दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 658 करोड़ रुपये आवंटित किए गए. नए अस्पतालों के निर्माण और मौजूदा अस्पतालों के रीमॉडलिंग के माध्यम से विस्तार के लिए 400 करोड़ रुपये, जबकि दिल्ली आरोग्य कोष के माध्यम से मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 80 करोड़ रुपये आवंटित किए गए है.

सत्येंद्र जैन की हनुमानजी से की तुलना- आप नेता ने अपने भाषण के दौरान जेल में बंद पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा, 'दिल्ली की हेल्थ सेवाओं का जिक्र बिना सत्येंद्र जैन के नाम के अधूरा है. जिस तरह आपदा के समय रामभक्त हनुमान संजीवनी का पर्वत ही उठा ले आए थे. उसी तरह जैनजी ने दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को पुनर्जीवित किया हैज आज मैं सत्येंद्र जैन जी का तह ए दिल से धन्यवाद करती हूं.'

कांग्रेस पीएम मोदी के खिलाफ काशी से सत्यपाल मलिक को लड़ा सकती है चुनाव

वाराणसी। काशी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस सत्यपाल मलिक को उतार सकती है। केंद्रीय कमेटी को उम्मीदवारों के फीडबैक में यह सुझाव मिला है। हालांकि, पार्टी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, पूर्व सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया है। ऐसी स्थिति में मलिक दावेदार हो सकते हैं। उधर, सपा नेता अतहर जमाल लारी का कहना है कि इंडी गठबंधन में यह सीट कांग्रेस के पास है। कांग्रेस से अपील की जाएगी कि वाराणसी से जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक को चुनाव लड़ाया जाए।

नफे सिंह राठी हत्याकांड में पुलिस को मिली बड़ी सफलता, गोवा से दो शूटर्स हिरासत में, दो की तलाश जारी

नई दिल्ली । इंडियन नेशनल लोकदल के हरियाणा प्रमुख नफे सिंह राठी हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। खबर है कि झज्जर पुलिस और दिल्ली पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में गोवा से दो शूटर्स को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, दो अन्य शूटर्स की तलाश जारी है। राठी की दिल्ली के पास बहादुरगढ़ में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। झज्जर पुलिस, दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ ने जॉइंट ऑपरेशन कर यह सफलता हासिल की है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, पुलिस ने गोवा से सौरभ और आशीष नाम के दो शूटर्स को गिरफ्तार किया है। झज्जर पुलिस का कहना है कि दो अन्य शूटर्स की तलाश जारी है। आरोपियों की पहचान आशीष, नकुल सांगवान और अतुल के तौर पर की गई थी। बाद में पुलिस ने चौथे आरोपी की भी पहचान कर ली थी। तब तीन आरोपियों के नाम पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। राठी के परिवार ने आरोप लगाए थे कि कई बार राज्य सरकार से पुलिस सुरक्षा मांगी गई थी, लेकिन जान का खतरा होने के बाद भी उनकी बात नहीं सुनी गई। 25 फरवरी को बराही फाटक के पास राठी की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। उस दौरान वह फॉर्चुनर कार में सवार थे। घटना में एक और शख्स की भी मौत हो गई थी। खबरें आई थीं कि हमलावर सफेद आई-10 कार में पहुंचे थे। इनेलो के नेता की हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर कपिल सांगवान ने ली थी।

वोट के बदले नोट मामले में सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, पीएम मोदी का भी आया पहला रिएक्शन

सुप्रीम कोर्ट ने आज वोट के बदले नोट मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अपने ही 26 साल पुराने फैसले को पलटते हुए सांसदों को राहत देने पर असहमति जताई है। कोर्ट ने कहा कि किसी को भी भ्रष्टाचार करने की छूट नहीं दी जा सकती है और न किसी को कानूनों का उल्लंघन करने का विशेषाधिकार नहीं है। पीएम मोदी का आया बयानअब शीर्ष न्यायालय के इस फैसले पर पीएम मोदी का रिएक्शन आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, सुप्रीम कोर्ट का एक महान निर्णय लिया है, जो स्वच्छ राजनीति सुनिश्चित करेगा और सिस्टम में लोगों का विश्वास गहरा करेगा। सात जजों की संविधान पीठ ने आज सर्वसम्मति से फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर सांसद पैसे लेकर सदन में भाषण या वोट देते हैं तो उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 105 का हवाला देते हुए कहा कि किसी को घूसखोरी की कोई छूट नहीं है, चाहे वो सांसद हो या विधायक।

दिल्ली में इस सप्ताह जारी हो सकती है कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची...

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा की ओर से लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा के साथ ही कांग्रेस पर भी अपने प्रत्याशी घोषित करने का दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि इसी सप्ताह कांग्रेस भी उम्मीदवारों के नाम घोषित करेगी। राजधानी दिल्ली की राजनीति में एक-दूसरे की धुर विरोधी रही 'आप' और कांग्रेस पार्टी इस बार साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। 'आप' अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है, जबकि भाजपा ने भी पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। बाकी दो सीटों पर भी दो-तीन दिन के अंदर उम्मीदवार के नाम की घोषणा होने की संभावना है कांग्रेस पार्टी पर भी तीन सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा का दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि इन तीनों सीटों पर कांग्रेस पार्टी ने तीन-तीन नामों का चुनाव कर लिया है। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, चांदनी चौक लोकसभा सीट पर जेपी अग्रवाल, अलका लांबा या हरी शंकर गुप्ता में से किसी एक को प्रत्याशी घोषित किया जा सकता है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट से दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली को उतारा जा सकता है। उनके अलावा इस सीट से संदीप दीक्षित और मतीन अहमद को भी दावेदार माना जा रहा है, जबकि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली सीट से उदित राज को टिकट मिलने की संभावना है। हालांकि, इस सीट से कृष्णा तीरथ और राजकुमार चौहान को भी लोकसभा टिकट का उम्मीदवार माना जा रहा है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और हाई कमान की ओर से कभी भी इसकी घोषणा की जा सकती है। बता दें कि, दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच 4-3 के फॉर्मूले पर सीटों का बंटवारा हुआ है। इसमें 7 में 4 सीटों पर 'आप' और 3 सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी।

पूरे देश में अस्पताल में इलाज के लिए शुल्क तय हो, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा

इंदौर। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण निर्देश में देश भर के अस्पताल में इलाज के शुल्क को तय करने की बात कही है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को अगले छह सप्ताह के भीतर मरीजों द्वारा भुगतान किए जाने वाले अस्पताल उपचार शुल्क को शीघ्रता से तय करने का निर्देश दिया है।वर्तमान में अलग-अलग अस्पताल इलाज के लिए अलग-अलग दरें वसूलते हैं, जिससे देश में कैशलेस स्वास्थ्य बीमा प्रणाली को लागू करना मुश्किल हो जाता है। एक एनजीओ द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की दो-न्यायाधीशों की खंडपीठ ने यह बात कही। इसमें कहा गया है कि हम भारत संघ के स्वास्थ्य विभाग के सचिव को निर्देश देते हैं कि वे राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों में अपने समकक्षों के साथ बैठक करें और सुनवाई की अगली तारीख (अगले छह सप्ताह में) तक एक ठोस प्रस्ताव लेकर आएं। मालूम हो कि वर्तमान में देश में 40,000 से अधिक पंजीकृत अस्पताल हैं, जो अब नई प्रणाली में 30 करोड़ से अधिक की संख्या वाले सभी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसीधारकों को कैशलेस सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं।

कैंसर से लड़ने वाली वै सीन बनाने जा रही ये कंपनी, कभी कोरोना में बचाई थी जान

नई दिल्ली । जिस कंपनी ने कोरोना काल में भारत सरकार और भारतीयों के लिए बेहद कम कीमत में वैक्सीन उपलब्ध करवाई थी, अब वही कंपनी एक बार फिर बहुत बड़ी मात्रा में कैंसर से लड़ने वाली वैक्सीन बनाने जा रही है. आदार पूनावाला की कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया भारत सरकार की सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ वैक्सीनेशन अभियान में अपनी बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है. सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का इस साल सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ चलने वाले अभियान के लिए सरकार को बेहद कम कीमत पर वैक्सीन उपलब्ध कराएगी. इसकी जानकारी आदार पूनावाला ने दी. इसके लिए कंपनी ने अपने ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन की आपूर्ति को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा देना शुरू कर दिया है. दरअसल, खुराक की संख्या के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि उन्हें उम्मीद है कि साल के अंत तक उनकी कैंसर के खिलाफ वाली वैक्सीन सरकार के कार्यक्रम का हिस्सा बन जाएगी. बता दें कि सरकार ने बजट में ऐलान किया था कि 9-14 साल के बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर की एचपीवी वैक्सीन मुफ्त लगाई जाएगी. सर्वाइकल कैंसर दुनिया में सेकेंड मोस्ट कॉमन कैंसर है. इस अभियान की शुरुआत मिशन 'इंद्रधनुष' के अंतर्गत किया जाएगा.

अभी कितनी है कीमत? आदार पूनावाला ने कहा, 'फिलहाल हमारी क्षमता केवल कुछ मिलियन खुराक की है, लेकिन मांग अनंत है. अगर हम भारत में इस एचपीवी वैक्सीन की 50 मिलियन खुराक पेश करते हैं, तो उनका उपयोग निजी बाजार और सरकारी खरीद योजना दोनों में किया जाएगा.'. यह वैक्सीन एचपीवी यानी ह्यूमन पेपिलोमा वायरस संक्रमण के खिलाफ भारत की पहली वैक्सीन है. ह्यूमन पेपिलोमा वायरस संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है. फिलहाल, बाजार में इस वैक्सीन की कीमत 2000 रुपए है.

कितनी वैक्सीन खरीद सकती है सरकार- आदार पूनावाला ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ चलने वाले वैक्सीनेशन ड्राइव के लिए अभी तक सरकार के साथ वैक्सीन को लेकर कोई अनुबंध नहीं हुआ है, मगर उन्हें उम्मीद है कि सरकार दिसंबर में निविदा प्रक्रिया के माध्यम से शुरुआत में 40 से 50 मिलियन खुराक की खरीद करेगी. बता दें कि अन्य एचपीवी वैक्सीन निर्माताओं में मर्क एंड कंपनी और जीएसके पीएलसी शामिल हैं, जो सरकारी अनुबंधों के लिए भी बोली लगा सकते हैं.

काफी सस्ती होगी वैक्सीन- उन्होंने कहा कि अभी यह कहना थोड़ी जल्दबाजी होगी मगर हम इस उत्पाद के लिए पूरी तरह तैयार और प्रतिबद्ध हैं. पूनावाला को उम्मीद है कि सरकार को आपूर्ति किए जाने पर वैक्सीन काफी हद तक या फिर शायद आठ गुना सस्ती होगी. बता दें कि आदार पूनावाला की कंपनी सीरम कोविशील्ड नाम से एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन भी बनाती है. इसी वैक्सीन की वजह से कोरोना काल में सरकार को अभियान चलाने में काफी मदद मिली थी और इसकी कीमत भी बाजार में काफी कम थी.

कब से विदेशों में शुरू होगी वैक्सीन की निर्यात- सीरम का कहना है कि कंपनी की एचपीवी वैक्सीन वहीं बन रही है, जहां कोरोना महामारी के दौरान कोविशील्ड का निर्माण किया गया था. फिलहाल, वे सेंटर अभी भी पूरी तरह से चालू नहीं हैं, जिससे निर्मआ की पूरी क्षमता बाधित हो रही है. कंपनी वैक्सीन की WHO से मंजूरी के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया में है और पूनावाला को उम्मीद है कि 2026 में अन्य देशों में HPV वैक्सीन का निर्यात शुरू हो जाएगा.

सिंघल कॉलम

डेढ़ लाख रुपए के गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार,बाइक पर घूम घूमकर बेच रहा था नशा

इंदौर। तिलक नगर से एक गांजा तस्कर को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 7 किलो 390 ग्राम गांजा मिला है। इसकी कीमत डेढ़ लाख रुपए है। ये बाइक पर घूमकर गांजा बेचने का काम करता है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि बदमाश का नाम महेश उर्फ आकाश सोनकर निवासी वसुंधरा कॉम्पलेक्स वंदन नगर है। आरोपी शहर में दो पहिया वाहन पर घूमकर तस्करी करता है।

आनलाइन रमी गेम में रुपये हारा तो मां के आभूषण बेच आया बेटा, केस दर्ज

इंदौर। जूनी इंदौर थाने की पुलिस ने शनिवार रात महिला की शिकायत पर उसके बेटे के विरुद्ध चोरी की एफआइआर लिखी। वह आनलाइन रमी गेम का शौकीन है। गेम में रुपये हारने पर मां के आभूषण चुराकर सराफा में बेच डाले। रुपये भी ग्रुप के सदस्यों में बांट दिए। पुलिस सोना खरीदने वाले सुनारों की जानकारी जुटा रही है।टीआइ शैलेंद्रसिंह जादौन के मुताबिक, जीवनदीप कालोनी निवासी पूनम दुलानी ने बेटे आयुष के विरुद्ध रिपोर्ट लिखवाई है। पूनम 28 फरवरी को बड़े बेटे कमल की दुकान पर गई थी। घर पर पति बच्चाराम भी नहीं थे। शाम को लौटी तो अलमारी के लॉकर में रखे सोने के आभूषण (चेन, चूड़ियां, अंगूठियां, टाप्स) और 75 हजार रुपये नहीं थे। परिवार के सभी सदस्य एकत्र हुए और आयुष से पूछताछ की लेकिन वह मुकर गया। गेम के कारण हो गया था कर्ज शक होने पर परिवार के लोगों ने सख्ती दिखाई तो आयुष टूट गया और कहा कि उसने ही चोरी की है। वह आनलाइन रमी गेम खेलता है। उस पर कर्ज हो गया था। आभूषण बेच कर रमी खेलने वाले ग्रुप के सदस्यों में रुपये बांट दिए हैं। टीआइ के मुताबिक, जुआ खेलने वाले युवकों और सोना खरीदने वाले सुनारों की जानकारी ली जा रही है।

इंदौर में बीस मिनट में मैकेनिक और बैंक अफसर के फ्लैट में लाखों की चोरी

दूसरी मंजिल पर रहने वाली महिला बेटे को चौथी मंजिल पर ट्यूशन छोड़ने गई थी, इतने देर में हो गई वारदात।

इंदौर। बीस मिनट के लिए फ्लैट सूना छोड़ना महंगा पड़ गया। दरवाजे का नकूचा तोड़कर चोर लाखों के आभूषण और रुपये चुरा ले गए। चोरों ने महिला को ताला लगाते हुए देख लिया था। महिला ने भी चोरों को आते देखा लेकिन नजरअंदाज कर निकल गई। आरोपितों के सीसीटीवी फुटेज मिल गए है। घटना लसूड़िया थाना क्षेत्र में सिमरन सनसाइन सोसायटी पिपल्याकुमार की है। पुलिस ने सौरभ विनोद पटेल की शिकायत पर केस दर्ज किया है। सौरभ का कारों का वर्कशाप है। पत्नी नेहा शनिवार दोपहर करीब पौने चार बजे दूसरी मंजिल से बेटे को ट्यूशन छोड़ने चौथी मंजिल पर गई थी। बीस मिनट बाद लौटी तो फ्लैट का ताला टूटा हुआ था। चोरों ने अलमारियों का सामान बिखेर दिया था।

सालभर में सुधरी कान्ह-सरस्वती की हालत, फिर भी मानकों से कोसों दूर

सिटी चीफ, इंदौर। शहर से गुजर रही कान्ह और सरस्वती नदियों को कुछ वर्षों से स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम द्वारा कई उपाय किए जा रहे हैं। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्रतिमाह कान्ह और सरस्वती नदियों के 15 पाइंट पर जल प्रदूषण का स्तर मापता है। फरवरी 2023 से जनवरी 2024 तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इस दौरान काफी हद तक इन नदियों के जल प्रदूषण में सुधार हुआ है, लेकिन इतना भी नहीं कि जलीय-जीव के लिए अनुकूल हो। नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्र से गुजर रही इन नदियों को स्वच्छ रखने के लिए 10 एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) और एक कामन एफ्युलेंट ट्रीटमेंट प्लांट लगाए हैं, जहां हर दिन 360 एमएलडी दूषित जल को उपचारित किया जाता है, लेकिन शहर में अब भी कई जगह आउटफाल कान्ह और सरस्वती में मिल रहे हैं। हालांकि एक वर्ष में प्रशासन द्वारा उद्योगों पर कार्रवाई और नगर निगम के उपाय के चलते दोनों नदियों के पानी के स्तर में लगातार सुधार आ रहा

है।फरवरी 2023 में बायोकेमिकल आक्सीजन मांग (बीओडी) का स्तर जहां 34 मिलीग्राम प्रति लीटर था, जो जनवरी में घटकर 20 रह गया है। सामान्य तौर पर दो या दो से कम होना चाहिए। इसी तरह फरवरी 2023 में (सीओडी) केमिकल आक्सीजन मांग का स्तर 107.8 मिलीग्राम प्रति लीटर था, वहीं जनवरी में घटकर 80 रह गया है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए। जानकारी के अनुसार वर्षा शुरू होते ही नदी-नालों में तेज बहाव के साथ पानी आता है। इसके चलते गंदगी निकल जाती है। यही कारण है कि कान्ह और सरस्वती में जुलाई-अगस्त में बीओडी और सीओडी की मात्रा कम हो जाती है। हालांकि इतनी भी कम नहीं की पानी साफ रहे और जलीय जीव-जंतु के लिहाज से अनुकूल हो।

इंदौर में सर्द हवाओं ने 24 घंटे में 9 डिग्री सेल्सियस गिराया तापमान

सिटी चीफ, इंदौर। अलग-अलग स्थानों पर बनी तीन मौसम प्रणालियों की वजह से मौसम अचानक बदल गया। पूर्वी पाकिस्तान पर बना पश्चिमी विक्षोभ उसके कारण उत्तर-उत्तर पश्चिमी दिशा की तरफ से हवाएं आने से मालवा व आसपास इलाकों में दिखाई दे रहा है। तापमान में जबर्दस्त गिरावट आई है।बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में नौ डिग्री सेल्सियस का अंतर दिखा। रविवार को दिनभर बादल छाए रहने और सर्द हवाएं से रात को ठंड महसूस हुई। अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से छह डिग्री कम था, जबकि एक दिन पहले रात का तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार की तरह सोमवार को भी बादल छाए रहते और पारा छह डिग्री नीचे आता है, तो सीजन का सबसे ठंडा दिन रहेगा। अगले दो से तीन दिनों तक तापमान ऐसा ही बना रहेगा। **आज का मौसम** शहर में रविवार सुबह से बादल छाए रहे और हवा ने सुबह ठंडक का अहसास करवाया। दोपहर बाद धूप भी खिली।

कोर्ट ने पीड़िता को प्रतिकर राशि के रूप में 16 हजार रुपये दिलवाए जाने की अनुशंसा भी की है

चाकू दिखाकर किया सामूहिक दुष्कर्म, कोर्ट ने दो दोषियों को सुनाई 20 साल की सजा

सिटी चीफ, इंदौर। सामूहिक दुष्कर्म के आरोपितों को इंदौर के विशेष न्यायालय ने 20-20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने पीड़िता को प्रतिकर राशि के रूप में 16 हजार रुपये दिलवाए जाने की अनुशंसा भी की है।वारदात 15 अक्टूबर 2022 की है। पीड़िता अपनी मां से विवाद के बाद महूनाका चौराहा पर अंडे के ठेले के पास बैठी थी। इसी दौरान आरोपित राहुल उर्फ संतोष पुत्र कमल सिंह निवासी लाबरिया भेरू वहां आया और उससे पूछा कि क्या उसे खाना खाना है। पीड़िता ने हां कहा तो वह बोला कि मैं घर पर दूध और अंडे देकर वापस आता हूं। इसके बाद खाना दिलवा दूंगा।

चाकू दिखाकर किया दुष्कर्म - कुछ देर बाद वह एक अन्य युवक विशाल उर्फ बाबा पुत्र गेंदालाल निवासी

जीएनटी मार्केट के साथ मोटर साइकिल से वहां आया। दोनों आरोपित पीड़िता को खाना खिलाने के नाम पर अपने साथ एक झोपड़ी में ले गए और वहां उसके साथ चाकू दिखाकर दुष्कर्म किया। बाद में पीड़िता किसी तरह वहां से भागी और छत्रीपुरा पुलिस थाने पहुंचकर आरोपितों के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

12 गवाहों के बयाए हुए - एजीपी जयंत दुबे ने पैरवी करते हुए अभियोजन के पक्ष में 12 गवाहों के बयान दर्ज कराए। विशेष न्यायाधीश चारूलता दांगी ने प्रकरण में फैसला सुनाते हुए दुष्कर्मी राहुल उर्फ संतोष और विशाल उर्फ बाबा को 20-20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने दुष्कर्मियों पर आठ हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है।

चार साल की उम्र में माता-पिता से बिछड़े आकाश ने सेना में जाने का सपना किया पूरा, अब अग्नीवीर होंगे

सिटी चीफ, इंदौर। साल पहले परिवार से बिछड़कर चार साल की उम्र में इंदौर पहुंचे बालक ने अनाथ आश्रम में रहकर स्कूली शिक्षा तो पूरी की, लेकिन भविष्य की तस्वीर स्पष्ट नहीं थी। 18 साल की उम्र पूरी होने बाद संस्थाएं भी उसे नहीं रख सकती थीं। ऐसे में उसके सामने रहने के लिए छत तक नहीं थी। कैप्टन (सेवानिवृत्त) सुरेंद्र सिंह ने उस युवा आकाश भट्टाचार्य की क्षमताओं को पहचान कर देशसेवा की राह आसान की। कैप्टन सिंह ने दो साल तक उसे शैक्षणिक व शारीरिक प्रशिक्षण दिया और अपने कोचिंग संस्थान में रहने की जगह, भोजन की निश्शुल्क व्यवस्था करवाई। उनके प्रयास से आकाश का चयन अग्निवीर योजना के तहत सेना में हुआ है। 20 वर्षीय आकाश जब चार साल का था तो ट्रेन में बैठकर इंदौर आ गया था। उसे आज भी याद नहीं कि वह मां-बाप से कैसे

जुदा हुआ। उसे सिर्फ अपना नाम और शहर याद था। पुलिस ने उसे इंदौर के अरमान बाल अधिकार ट्रस्ट में भर्ती करा दिया। यहां समाजसेवी तपन भट्टाचार्य ने उसे अपना उपनाम दिया। आश्रम में रहते हुए 12वीं तक की पढ़ाई पूरी की। 16 वर्ष की उम्र के बाद उसे अनाथालय से दूसरी संस्था के पास भेज दिया गया। यहां एक आयोजन में पूर्व मंत्री उषा ठाकुर पहुंचीं। यहां आकाश ने उनसे मिलकर सेना में जाने के सपने के बारे में बताया था। युवा ने मेहनत कर पाया मुकाम कैप्टन सिंह बताते हैं कि जब मंत्री ठाकुर ने मुझे बताया कि एक युवा सेना में जाना चाहता है और उसके मां-पिता नहीं हैं। उसके बाद मैंने उसे अपने संस्थान में रखकर प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया। दो वर्ष के प्रशिक्षण व कठिन परिश्रम के बाद आकाश का सेना में अग्निवीर के रूप में चयनित हुआ है। एक अप्रैल को वह सेना में प्रशिक्षण के लिए जाएगा।

पति ने की पत्नी की हत्या

पुलिस ने आरोपित को किया गिरफ्तार,पत्नी पर चरित्र शंका करता था आरोपित

सिटी चीफ, इंदौर। पति ने शक के चलते 35 वर्षीय पत्नी नैना सौद की हत्या कर दी। पति मिलिंद सौद ने उसका दुपट्टे से गला घोंटा था। पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया है। मिलिंद ने कहा कि नैना फोन पर बातें करती रहती थी। उसे शक होने लगा था। पिछले सप्ताह मुंबई से इंदौर आए तो दोनों में विवाद होने लगा। शनिवार दोपहर को गला घोंटकर मार डाला।

मालगंज (बियाबानी) निवासी मिलिंद सौद वर्षों से मुंबई में रहता है। वह मसाज पार्लर में नौकरी करता था। नैना से करीब 17 साल पूर्व शादी हुई थी। कुछ समय से दोनों के बीच मतभेद होने लगे। मिलिंद नैना पर शक करने लगा। उसकी मनोस्थिति भी ठीक नहीं थी। पिछले सप्ताह नैना उपचार के लिए मिलिंद को लेकर इंदौर स्थित ससुराल आ गई। शनिवार को पति-पत्नी चौथी मंजिल पर थे। माता-पिता नीचे कुंडी लगाकर बाजार चले गए। पति-पत्नी में फिर से विवाद हुआ और मिलिंद ने दुपट्टे से गला घोंट कर नैना की हत्या कर दी। घटना के बाद पहली मंजिल से कूद कर भागने लगा। रहवासियों ने उसे देखा और पुलिस को खबर कर दी। मिलिंद को रात में ही हिरासत में ले लिया। उसने हत्या भी कबूल ली। रविवार को शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद हत्या का केस दर्ज किया गया। एसीपी हेमंत चौहान के मुताबिक, मिलिंद अवसाद में था। उसका उपचार भी चल रहा है।

पुलिस अधिकारी बोले- छोटे शहरों से पढ़ाई के लिए इंदौर आने वाले बच्चे हो रहे बुरी आदतों का शिकार

डीसीपी बोले- चकाचौंध में खो जाते हैं बच्चे आते ही उन्हें विजय नगर नजर आता है..

सिटी चीफ, इंदौर। छोटे शहरों के बच्चे चकाचौंध में खो जाते हैं। पढ़ने भंवरकुआं आते हैं, लेकिन उन्हें नजर विजय नगर आता है। बुरी आदतों के कारण तनाव में चले जाते हैं। दुर्भाग्य से हम रोज एक बच्चा को खोते हैं। बच्चे किसी न किसी वजह से गलत कदम उठाते हैं। आप लोग ऐसा मत कीजिए। माता-पिता से दूर रहते हो। हमें ही अभिभावक समझो। बड़ा भाई समझकर बात करो। एक बार बातें शेयर तो करो। फिर देखो कैसा लगता है। **पुलिस जनसंवाद कार्यक्रम% में मौजूद नागरिक, व्यापारी व अन्य**- जोन-1 के डीसीपी आदित्य मिश्रा रविवार को मंगलमूर्ति नगर में रहवासियों से चर्चा कर रहे थे। इस दौरान स्कूल-कालेज के बच्चे भी पहुंचे। मिश्रा भीड़ से हटकर बच्चों के बीच जा पहुंचे। सहजता से कहा कि मुझे अफसर मत समझो। आप लोग परेशानियां पुलिस को बताना शुरू करो। शहर एजुकेशन हब बन चुका है। लड़के तो ठीक हैं, लेकिन लड़कियों को सुरक्षित महसूस करना चाहिए। कमेंट्स, बुलिंग जैसी कोई भी समस्या हो, हमसे साझा करो। वी केयर फोर यू में काल लगाओ। पढ़ने में मन लगाओ। हम भंवरकुआं क्षेत्र में रोज एक बच्चा खो रहे हैं। डिप्रेशन में बच्चे गलत कदम उठा लेते हैं। कोई समस्या हो तो शेयर करो। हम मदद करेंगे।

थाने न जाएं, फोन पर ही संपर्क कर लें - एडिशनल डीसीपी जोन-4 अभिनय विश्वकर्मा ने कहा, आप को लगता कि छोटी-छोटी बातों के लिए थाने क्यों जाएं। मत जाइए। फोन पर ही संपर्क कर लें। भंवरकुआं में होस्टल संबंधी समस्याएं भी होती हैं। पुलिस होस्टल वालों पर भी सख्ती करेगी। बच्चों का डेटा पोर्टल पर आनलाइन करवाएगी।

ट्रैफिक सिग्नल से पड़ रहा जीडीपी पर असर - पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता भी मंगलमूर्ति नगर में रहवासियों के बीच जा पहुंचे। रहवासियों से समस्याएं सुनीं। 15 लोगों ने समस्याओं के साथ सुझाव भी बताए। ट्रैफिक सिग्नल और रोटरी की बात निकली तो उन्होंने कहा लंबे सिग्नल के कारण काफी नुकसान होता है। हमारी जीडीपी पर भी असर पड़ता है। मैंने तो पलासिया और गीताभवन सिग्नल की टाइमिंग कम करवा दी है। अन्य सिग्नल की टाइमिंग कम करने पर अभ्यास चल रहा है। लोगों ने आनलाइन ठगी, चोरी जैसी घटनाओं का भी जिक्र किया।

बच्चों के साथ बड़ी उम्र के भिक्षुकों पर भी होगी कार्रवाई, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी

कलेक्टर ने बैठक लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश, इंदौर को बनाना है भिक्षावृत्ति मुक्त शहर।

भिक्षावृत्ति पर कार्रवाई के लिए गठित दल में अब पुलिस बल के साथ नगर निगम के कर्मचारी भी होंगे।

कंट्रोल रूम के माध्यम से चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से भिक्षावृत्ति पर निगरानी की जाएगी।

भिक्षावृत्ति से मुक्त बच्चों और बड़ों को शिक्षण, प्रशिक्षण, रोजगार और पुनर्वास की सुविधा दी जाएगी।

सिटी चीफ, इंदौर। इंदौर को बाल भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाने के लिए चल रहे अभियान के बाद अब सोमवार से प्रशासन द्वारा बड़ी उम्र के भिक्षुकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। भिक्षावृत्ति से मुक्त बच्चों और अन्य भिक्षुकों के शिक्षण, प्रशिक्षण, रोजगार और पुनर्वास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

भिक्षावृत्ति पर कार्रवाई के लिए गठित दल में अब पुलिस बल के साथ नगर निगम कर्मचारी भी शामिल रहेंगे। डीएसपी स्तर के अधिकारी पुलिस व्यवस्था की मानीटरिंग करेंगे। भिक्षावृत्ति पर निगरानी की व्यवस्था को और अधिक कारगर बनाते हुए स्मार्ट सिटी कार्यालय द्वारा कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाएगा। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भिक्षावृत्ति पर निगरानी की जाएगी। कलेक्टर ने अभियान का बढ़ाया दायरा

ये निर्देश कलेक्टर कलेक्टर आशीष सिंह ने भिक्षुक मुक्त शहर बनाए जाने के संबंध में ली गई समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में स्मार्ट सिटी मिशन के सीईओ दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर गौरव बैनल, सपना लोवंशी, डीसीपी हंसराज सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान का दायरा बढ़ाते हुए अब बड़े उम्र के भिक्षुकों के विरुद्ध भी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बाल भिक्षुकों को शिक्षा से जोड़ें -कलेक्टर ने कहा कि शहर में कहीं भी भिक्षुक दिखाई नहीं दें, अधिकारी यह सुनिश्चित करें। ऐसे स्थान चिन्हित किए जाएं जहां से बड़ी संख्या में भिक्षावृत्ति के लिए भिक्षुक आते हैं। पहले इन लोगों को समझाइश दी जाए। इसके बाद भी नहीं मानने पर कार्रवाई करें। बाल भिक्षुकों को शिक्षा से जोड़ने के निर्देश भी उन्होंने दिए। कलेक्टर ने कहा कि बड़ी उम्र के भिक्षुकों के प्रशिक्षण, उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने और पुनर्वास पर भी कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाएं।

303 परिवारों को दी समझाइश - भिक्षावृत्ति पर कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन द्वारा गठित सात दलों द्वारा अब तक 303 परिवारों को भिक्षावृत्ति नहीं करने की समझाइश दी गई है। अभियान के तहत 112 बच्चों को भी भिक्षावृत्ति नहीं करने के बारे में समझाया गया। भिक्षावृत्ति करते पाए जाने पर 20 बच्चों को अभिरक्षा में लिया गया। कुछ मामलों में दोषियों के विरुद्ध एफआइआर भी कराई गई है।

भिक्षावृत्ति की सूचना देने वालों को मिलेगा इनाम -जागरूकता के लिए मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर पोस्टर भी चस्पा किए गए हैं। भिक्षावृत्ति की सूचना देने वालों को एक हजार रुपये नकद देकर पुरस्कृत करने का निर्णय लिया गया है। भिक्षावृत्ति संबंधी सूचना देने के लिए वाट्सएप नंबर 9691729017 जारी किया गया है। इस नंबर पर अभी तक 26 नागरिकों ने भिक्षावृत्ति करने वालों की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही तुरंत कार्रवाई दलों द्वारा की गई है।

मायाराम सुरजन भवन में नाटक मुसाफ़िर का मंचन किया जाएगा

सिटी चीफ, भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। सोमवार 04 मार्च को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।मुसाफ़िर का मंचन- भूमिका नाट्य संस्था द्वारा सोमवार को शाम सात बजे से मायाराम सुरजन भवन में नाटक मुसाफ़िर का मंचन किया जाएगा। नाट्य विचार एवं निर्देशन गोपाल दुबे का रहेगा। नाटक मुसाफ़िर में कई मुसाफ़िर एक रेल के डब्बे में मिलते हैं और अपनी कहानियों और विचारों को साझा करते हैं। इसे दर्शक निश्शुल्क देख सकेंगे।

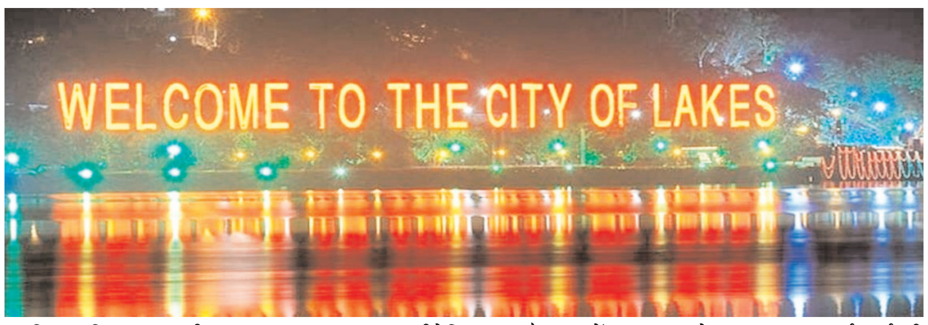

नाटक का मंचन - भीष्म साहिनी स्मृति अखिल भारतीय नाट्य समारोह में चार मार्च को लिटिल बैले ट्रुप सभागार में नाटक राधा का मंचन किया जाएगा। नाटक का मंचन शाम सात बजे से होगा। इस मराठी नाटक का निर्देशन श्रीराम जोग ने किया है। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में माह का प्रादर्श के तहत भूटिया समुदाय के अनुष्ठानिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया जा रहा है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। सिल्क इंडिया प्रदर्शनी - मानस भवन, पालीटेक्निक चौराहा में सिल्क इंडिया प्रदर्शनी में हैंडलूम सड़ियों समेत अन्य परिधानों का प्रदर्शन किया जा रहा है। समय सुबह 11 बजे से रात नौ बजे तक है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में भील समुदाय की चित्रकार रेसु गणावा के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। 47वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ दोपहर 12 बजे होगा। पाटोत्सव - श्रीजी मंदिर में प्रभु श्रीनाथ का पाटोत्सव । श्रीजी मंदिर का यह 264वां पाटोत्सव है। आज से लगभग 264वर्ष पूर्व ही प्रभु श्रीनाथजी मंदिर में विराजमान हुए थे। दोपहर 12 बजे प्रभु के उत्सव दर्शन खुलेंगे। जिसमें प्रभु के होली दर्शन, पालना एवं बधाई के संग रसिया गायन भी होगा। प्रभु के जन्म उत्सव की तरह प्रभु श्रीनाथजी को पीले वस्त्र पहनाए जाएंगे एवं स्वर्ण के आभूषणों से श्रृंगार किया जाएगा। शाम के समय प्रभु रंग महल में विराजमान होंगे। फूल होली और रसिया कीर्तन होंगे। सात प्रकार के रंग से बनी गुलाल से होली खिलाई जाएगी।

प्रज्ञा ठाकुर का ये बयान ले बैठा सांसदी का टिकट
पीएम मोदी ने भी कहा था कभी माफ नहीं करूंगा

सिटी चीफ, भोपाल। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 195 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। जिसमें कई सांसदों के टिकट काटे गए हैं, इनमें एक नाम भोपाल सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर का भी शामिल है। प्रज्ञा ठाकुर ने 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह को हराया था। माना जा रहा है कि प्रज्ञा ठाकुर द्वारा दिए गए विवादित बयान उनके टिकट कटने की वजह मानी जा रही है।लोकसभा चुनाव का टिकट कटने के लेकर सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शायद प्रधानमंत्री मोदी को मेरी कुछ बातें पसंद नहीं आई है। टिकट कटने के कारण पर प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि मेरा टिकट क्यों कटा, यह संगठन को सोचना चाहिए। उन्होंने कहा मैंने पहले भी टिकट नहीं मांगा था, अब भी नहीं मांगूंगी। पीएम मोदी ने जताई थी नाराजगी दरअसल, प्रज्ञा ठाकुर ने सांसद बनने के बाद अपने एक बयान में महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को 'सच्चा देशभक्त' बताया था। जिसके बाद देशभर में उनका विरोध हुआ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रज्ञा ठाकुर के इस बयान पर नाराजगी जाहिर की थी और कहा था कि वे महात्मा गांधी के अपमान के लिए उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। भाजपा ने

आलोक शर्मा को दिया है टिकट गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने पांच वर्ष बाद लोकसभा प्रत्याशी के लिए भोपाल के स्थानीय नेता आलोक शर्मा पर विश्वास जताया है।56 वर्षीय नेता आलोक की कर्मठता, सक्रियता और आमजन के बीच मजबूत पकड़ के चलते ही पार्टी ने उन पर भरोसा जताया है।नगर निगम में पार्षद चुने जाने के बाद शहर की जनता ने उनको महापौर चुना था।इसके अलावा पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उनको उत्तर क्षेत्र से मौका दिया था। मध्य प्रदेश में 24 प्रत्याशी घोषित भाजपा ने शनिवार को मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 24 पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। नई दिल्ली से जारी सूची में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर फिर भरोसा जताते हुए लोकसभा चुनाव के लिए 20 वर्ष बाद पुन: विदिशा से टिकट दिया है। राज्यसभा सदस्य और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को उनकी परंपरागत सीट गुना-शिवपुरी से प्रत्याशी बनाया गया है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा को फिर खजुराहो सीट से ही चुनाव लड़ाया जा रहा है। कमल नाथ के गढ़ छिंदवाड़ा के अलावा बालाघाट, धार, इंदौर और उज्जैन लोकसभा क्षेत्र से भाजपा ने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। पार्टी की पहली सूची में चार महिलाओं को मौका दिया गया है। 24 में 11 सीटों पर पार्टी ने नए चेहरे उतारे हैं। सामान्य वर्ग के सात, ओबीसी वर्ग के नौ प्रत्याशियों को टिकट दिया गया है। एसटी के लिए सुरक्षित पांच और एससी की तीन सीटों पर भी प्रत्याशी घोषित किए गए हैं।

बड़ा तालाब में करबला घाट पर नवजात का शव मिलने से सनसनी

सिटी चीफ, भोपाल। कोहेफिजा थाना पुलिस ने रविवार को बड़ा तालाब से एक नवजात बच्ची का शव बरामद किया है। शव करीब दो दिन पुराना बताया गया है। शिशु के पैर में अस्पताल का एक टैग लगा हुआ था, जिसमें उसकी मां का नाम और वजन लिखा हुआ था।पुलिस आसपास के अस्पतालों और नर्सिंग होम्स में छानबीन कर नवजात की मां का पता लगाने का प्रयास कर रही है। आशंका है कि पैदाइश छिपाने के लिए नवजात को तालाब में फेंका गया होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोहेफिजा थाना पुलिस के मुताबिक रविवार दोपहर सूचना मिली कि करबला के पास बड़ा तालाब में किसी नवजात का शव पड़ा हुआ है। पुलिस ने

गोताखोरों की मदद से शव बाहर निकालकर पीएम के लिए भेज दिया। नवजात बच्ची के पैर पर एक टैग लगा मिला। टैग में बच्ची की मां का नाम सुनीता और वजन दो किलो 560 ग्राम लिखा हुआ था। वजन से अनुमान है कि प्रसूता ने स्वस्थ्य बच्ची को जन्म दिया होगा और बाद में पैदाइश छिपाने के लिए उसे तालाब में फेंका गया होगा। हालांकि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चल पाएगा कि नवजात को जिंदा अथवा मृत अवस्था में फेंका गया था।

कोहेफिजा थाना पुलिस के मुताबिक रविवार दोपहर सूचना मिली कि करबला के पास बड़ा तालाब में किसी नवजात का शव पड़ा हुआ है। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव बाहर निकालकर पीएम के लिए भेज दिया। नवजात बच्ची के पैर पर एक टैग लगा मिला। टैग में बच्ची की मां का नाम सुनीता और वजन दो किलो 560 ग्राम लिखा हुआ था। वजन से अनुमान है कि प्रसूता ने स्वस्थ्य बच्ची को जन्म दिया होगा और बाद में पैदाइश छिपाने के लिए उसे तालाब में फेंका गया होगा। हालांकि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चल पाएगा कि नवजात को जिंदा अथवा मृत अवस्था में फेंका गया था।

पत्नी ने प्रताड़ना से तंग आकर लगाई थी फांसी, पति पर दहेज हत्या का केस दर्ज

सिटी चीफ, भोपाल। परवलिया सड़क थाना इलाके के ग्राम मुगालिया हाट में 21-22 फरवरी की दरमियानी रात एक महिला ने फांसी लगा ली थी। घटना का पता तब चला था, जब उसका दो साल का बेटा डेढ़ माह की बच्ची लगातार रो रहे थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने महिला के पति के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर लिया है। जांच में पता चला कि पति दहेज में बाइक और रुपये लाने के लिए पत्नी के साथ मारपीट भी करता था।एसडीओपी मंजू चौहान ने बताया कि मूलत: ग्राम देहरी थाना अहमदपुर, सीहोर निवासी सरिता की शादी 2021 में मुगालिया हाट निवासी अरुण

अहिरवार के साथ हुई थी। उसका एक दो साल का पुत्र एवं डेढ़ माह की बेटी है। सरिता के 21-22 फरवरी की रात करीब डेढ़ बजे फांसी लगा ली थी। मामले की जांच के दौरान सरिता के मायके पक्ष के लोगों के बयान दर्ज किए गए थे। उन्होंने बताया कि शादी के बाद से ही अरुण दहेज में रुपये और बाइक लाने की मांग करते हुए सरिता को प्रताड़ित करने लगा था। विरोध करने पर वह सरिता के साथ मारपीट भी करता था। जांच में प्रताड़ना की पुष्टि होने पर दहेज हत्या के आरोप में अरुण को गिरफ्तार कर लिया है।

भगवान श्रीराम का दर्शन करने मंत्रिमंडल के सदस्य सपत्नीक जाएंगे अयोध्या

सिटी चीफ, भोपाल। सुबह कैबिनेट की बैठक के बाद सोमवार को मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल के सभी सदस्य सपत्नीक अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम का दर्शन करने जाएंगे। सुबह मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक होगी इसके बाद मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के नेतृत्व में सभी मंत्री अयोध्या के लिए रवाना होंगे। अयोध्या जाने के लिए विशेष विमान की व्यवस्था की गई है।मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने लखनऊ के प्रवास के बाद भोपाल लौटने पर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि खराब कालखंड के बाद आज भगवान श्री राम का अद्भुत मंदिर मां सरयू नदी के किनारे जगमगा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्ण के जन्म स्थान और बाबा विश्वनाथ के पवित्रधाम से आनंद से सराबोर होकर लौटा हूं। जनवरी- फरवरी माह में अयोध्या में अधिक भीड़ होने और अन्य व्यस्तताओं के कारण मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यों ने मार्च माह में अयोध्या में भगवान श्री राम का दर्शन करने जाने का निर्णय लिया था। यह हमारी भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा है, हम सनातन संस्कृति को मानने वाले हैं।

निजी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर को सीएम का फर्जी पीए बनकर धमकाया, केस दर्ज

सिटी चीफ, भोपाल। करोद इलाके में स्थित निजी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर मयंक बिश्नोई को मुख्यमंत्री मोहन यादव का पर्सनल असिस्टेंट बनाकर धमकी भरा फोन करने का मामला सामना आया है। शिकायत के आधार पर निशातपुरा थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है।निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने बताया कि निजी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर ने यूनिवर्सिटी में पिछले दिनों कुछ डॉक्टरों का तबादला किया था। इस बात से नाराज अज्ञात व्यक्ति ने विश्नोई को फोन कर खुद को मुख्यमंत्री मोहन यादव का पर्सनल

असिस्टेंट बताया। तबादला निरस्त करने के निर्देश दिए साथ ही फोन पर धमकी देने का प्रयास करते हुए फोनकर्ता ने तबादला निरस्त करने के निर्देश दिए, लेकिन बिश्नोई ने मानने से इनकार कर दिया।

भोपाल में सोमवार से रात के तापमान में गिरावट होने के आसार

सिटी चीफ, भोपाल। पिछले 24 घांटो के दौरान प्रदेश के भोपाल संभाग कुछ स्थान में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा। अलग-अलग स्थानों पर बनी तीन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से मध्य प्रदेश में विभिन्न शहरों में वर्षा होने का सिलसिला बना हुआ है। भोपाल में सोमवार से रात के तापमान में गिरावट होने के आसारसंभाग के जिलों में सामान्य से अधकि रहा है

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि द्रोणिका की वजह से अरब सागर से लगातार नमी आने के कारण प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र के जिलों में वर्षा हो रही है। साथ ही कहीं-कहीं तेज रफ्तार से हवाएं चलने के साथ ओले भी गिर रहे हैं। इन मौसम प्रणालियों के सक्रिय बने रहने के कारण उत्तर प्रदेश से लगे मध्य प्रदेश के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हो रही है। हालांकि मौसम प्रणालियों के कमजोर पड़ने के बाद सोमवार से धीरे-धीरे मौसम साफ होने लगेगा। साथ ही हवाओं का रुख बदलने के कारण रात के तापमान में गिरावट होने की संभावना है।

आरजीपीवी के कुलपति, पूर्व रजिस्ट्रार पर 19.48 करोड़ की धोखाधड़ी का केस दर्ज

सिटी चीफ, भोपाल। गांधी नगर थाना पुलिस ने रविवार को राजीवगांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपित, रजिस्ट्रार, वित्त नियंत्रक सहित अन्य लोगों के खिलाफ साजिश रचते हुए धोखाधड़ी, जालसाजी करने का केस दर्ज किया गया है। मेरे संज्ञान में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय में चल रही आर्थिक अनियमितता का प्रकरण सामने आया है। मैंने त्वरित रूप से इस प्रकरण में एफआईआर दर्ज करने एवं विश्वविद्यालय की वित्त शाखा में पदस्थ सभी अधिकारियों को हटाकर उच्च स्तरीय समिति द्वारा जांच कराने के निर्देश दिएज् उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई कहै। आरोपितों पर 19 करोड़ 48 लाख रुपये हड़पने का आरोप है। हालांकि इस मामले में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। गांधीनगर थाने के एएसआइ प्रवीणसिंह बैस ने बताया कि रविवार को आरजीपीवी के कुलसचिव डा. मोहन सेन ने लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें विवि के विद्यार्थियों की एफडी की जमा 19 करोड़ रुपये से अधिक की राशि को षड्यंत्र पूर्वक हड़पने का जिक्र किया गया था। शिकायत के साथ प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के आधार पर कुलपति प्रो. सुनील कुमार, तत्कालीन कुलसचिव आरएस राजपूत, वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा, मयंक कुमार , दलित संघ सोहागपुर व अन्य के खिलाफ धारा- 420, 467, 468, 120 (बी) एवं 7/13-एक (1), 13(2), भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। कुलपति को हटाने की मांग आरजीपीवी में में हुए घोटाले को लेकर छात्र संगठन एबीवीपी के कार्यकर्ता विवि प्रबंधन के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि कुलपति प्रोफेसर सुनील कुमार गुप्ता को तत्काल हटाया जाए। रविवार सुबह भी एबीवीपी कार्यकर्ता कुलपति के कक्ष के बाहर धरने पर बैठ गए। हालांकि इस मामले में तत्कालीन कुलसचिव को निलंबित कर दिया गया है। एबीवीपी कार्यकर्ता इस मामले की जांच रिपोर्ट को भी सार्वजनिक करने की मांग पर अड़े हुए हैं। किसी भी दोषी को बख्शेंगे नहीं - मंत्री परमार मामला तूल पकड़ता देख रविवार को रविवार को उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार यूनिवर्सिटी पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे एबीवीपी कार्यकर्ताओं से मिले। उन्होंने आश्वासन दिया कि उच्चस्तरीय जांच समिति से इस मामले की जांच कराई जाएगी। इस मामले में अभी तक साढ़े 19 करोड़ के हेराफेरी का मामला सामने आया है। व्यापक जांच की जाएगी और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर कुलपति दोषी हैं, तो उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। तीन सदस्यीय समिति का गठन दरअसल, इस प्रकरण के संबंध में प्राप्त शिकायत की जांच के लिए पिछले माह तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। गठित जांच समिति द्वारा शनिवार को प्रारंभिक जांच प्रतिवेदन शासन को प्रस्तुत किया गया। जांच प्रतिवेदन के अनुसार 19.48 करोड़ रुपये अनाधिकृत रूप से अपराधिक षड्यंत्र कर निजी खातों में अंतरित करना पाया गया। शासन द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अब प्रकरण में एफआइआर दर्ज कराई जाएगी। इनके खिलाफ कार्रवाई इस प्रकरण में कार्रवाई करते हुए तत्कालीन कुलसचिव डा आरएस राजपूत को निलंबित कर दिया गया है। वहीं सेवानिवृत्त वित्त नियंत्रक एचके वर्मा के विरुद्ध भी अलग से कार्रवाई की जाएगी। प्रकरण में राजीव गांधी विश्वविद्यालय के संबंधित शाखा में पूर्व से पदस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों के निलंबन का निर्णय लिया गया है। संबंधित शाखा में संबंधित पदों पर अन्य अमले की पदस्थापना की जाएगी। 350 पन्नों की जांच रिपोर्ट में हुए कई बड़े खुलासे शासन द्वारा गठित समिति ने अपनी 350 पन्नों की रिपोर्ट में विवि हुए करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के दस्तावेज भी दिए हैं, जिनके सामने आने से कई और राज खुलेंगे। इसके अलावा विवि द्वारा भी करीब नौ पेज की एक विशेष रिपोर्ट भी जांच रिपोर्ट के साथ संलग्न की गई है, जो विवि में हुए फर्जीवाड़े को उजागर करेगी। कुलपति पर भी गिर सकती है गाज इस मामले में घोर अनियमतता की बात सामने आई है। इसलिए कुलपति सुनील कुमार गुप्ता पर भी गाज गिर सकती है, क्योंकि कुलपति का पद राजभवन के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए रविवार को उनके विषय में कोई निर्णय लिया जा सकता है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में विशेष उल्लेख किया है कि उन्होंने कुलपति को तलब किया था, लेकिन वो उपस्थित नहीं हुए और उन्होंने लिखित जवाब भेज दिया। कुलपति सुनील कुमार को लेकर अभाविप में भी रोष है। उन्होंने शनिवार को कुलपति की नेम प्लेट को उखाड़ फेंका था। ऐसे हुई गड़बड़ी एक्सिस बैंक में पांच खातों की जानकारी है, जबकि जांच में एक्सिस बैंक में सात खाते पाए गए हैं। विवि के रिकार्ड सही नहीं होने के कारण प्रभारी अधिकारियों और जांच समिति को काफी मशक्कत करनी पड़ी और पैन नंबर के आधार पर बैंकों से ही जानकारी मागी गई कि उनके बैंक में विवि के कितने खाते है। जिसमें यह खुलासा हुआ कि विवि के दो खाते एक्सिस बैंक की कटारा ब्रांच में हैं इनमें से एक सेविंग है और दूसरा करंट खाता है, जहां विवि के करोड़ों रुपए जमा हुए हैं। समिति को बैंक से प्राप्त जानकारी में सामने आया है कि विवि की कटारा ब्रांच के खाते में 50 करोड़ रुपये रखे गए थे। उसमें से 9.5 करोड रुपये एक निजी संस्थान या व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए हैं और अब विवि के उक्त खाते में 40.5 करोड़ रुपये हैं। इसी तरह विवि का एक खाता पिपरिया ब्रांच में होने की बात भी कही जा रही है, जिसमें 100 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

संपादकीय

महादेव ने क्यों काटा ब्रह्मा का पांचवां सिर, संस्कृति के पन्नों से होता है खुलासा

ब्रह्मा द्वारा सृष्टि के रचना-कर्म का प्रयास जब आगे नहीं बढ़ा, तो ब्रह्मा ने अपने ही शरीर को दो भागों में विभक्त कर लिया। एक भाग पुरुष और दूसरा भाग स्त्री का हो गया। पुरुष का नाम मनु और स्त्री का नाम ब्राह्मी था। इस तरह मनु, ब्रह्मा का पुत्र और ब्राह्मी, उनकी पुत्री हुई। परंतु देवर्षि नारद ने किसी कारणवश ब्रह्मा को यह शाप दिया था, जिसके फलस्वरूप ब्रह्मा के मन में अपनी ही पुत्री ब्राह्मी के प्रति कामना उत्पन्न हो गई। ब्राह्मी का सौंदर्य अप्रतिम था, जिसे देखकर सृष्टिकर्ता अपनी रचना पर मुग्ध हो गए। वह ब्राह्मी को टकटकी लगाए देखते रहे। उनकी आंखों में अपनी पुत्री के लिए स्नेह और आशीष का भाव नहीं, अपितु उसे प्राप्त करने की कामना थी! ब्राह्मी ने जब परमपिता ब्रह्मा की आंखों में इस तरह का भाव देखा, तो वह घबराकर मुड़ी और ब्रह्मा के बाईं ओर जाकर खड़ी हो गई। परंतु ब्रह्मा ऐसे मोहित थे कि ब्राह्मी को देखने के लिए बाईं ओर उनका एक सिर प्रकट हो गया। यह देखकर ब्राह्मी को बहुत आश्चर्य हुआ। वह फिर मुड़ी और ब्रह्मा के दाहिनी ओर चली गई। परंतु ब्रह्मा उसे देखते रहना चाहते थे, तो उनका एक और सिर दाहिनी ओर निकल आया। ब्राह्मी असहज हो गई। वह घूमकर ब्रह्मा के पीछे चली गई। लेकिन यह क्या! ब्रह्मा का चौथा सिर पीछे की ओर प्रकट हो गया। वह पुन: ब्राह्मी को मुग्ध-भाव से देखने लगे। ब्राह्मी स्तब्ध थी। पिता के मन में पुत्री के लिए ऐसा भाव! फिर ब्राह्मी ने अपना अंतिम प्रयास किया और वह ऊपर हवा में उठ गई। परंतु ब्रह्मा ने फिर भी उसका पीछा नहीं छोड़ा! इस बार उनका पांचवां सिर, ऊपर की ओर प्रकट हो गया और वे निरंतर ब्राह्मी को ताकते रहे। ब्रह्मा की आसक्ति बढ़ती जा रही थी। ब्राह्मी समझ गई कि ब्रह्मा की दृष्टि से बचने के लिए उसे परमपिता से दूर जाना होगा। परंतु वह जहां भी गई, ब्रह्मा उसका पीछा करते रहे। ब्रह्मा से बचने के लिए ब्राह्मी ने पशु-पक्षियों का रूप तक धारण करके देखा। परंतु फिर भी सफलता नहीं मिली। ब्राह्मी घोड़ी बनी, तो ब्रह्मा घोड़ा बनकर आ गए, उसने गाय का रूप धरा, तो ब्रह्मा बैल बन गए। वह हिरणी में बदल गई, तो ब्रह्मा भी हिरण बन गए। इस तरह ब्राह्मी ने पशु, सरीसृप, पक्षी, कीट, स्तनधारी आदि सभी श्रेणियों में रूप धारण किए, परंतु हर बार उसने ब्रह्मा को नर रूप में अपने सामने पाया। ब्राह्मी ने इस तरह एक-एक करके सौ रूप बदले, जिसके चलते उसका नाम पड़ा- शतरूपा। अधिकतर ग्रंथों में ब्रह्मा की संतान के रूप में मनु और शतरूपा का ही नाम मिलता है। भगवान शिव ने परमपिता ब्रह्मा की ऐसी कामासक्त दशा देखी, तो उन्हें पिता के मन में पुत्री के लिए ऐसा भाव देखकर क्रोध आ गया। तब शिव ने ब्रह्मा का ऊपर निकला पांचवां सिर काट डाला, जिसके बाद ब्रह्मा के केवल चार सिर रह गए। शिव ने ब्रह्मा का सिर तो काट दिया, किंतु वह कटा सिर शिव के हाथ से चिपक गया। यह देखकर शिव चकित थे। फिर उन्हें अहसास हुआ कि ब्रह्मा का शीश काटकर उनसे ब्रह्म-हत्या का पाप हो गया, जिसके दंडस्वरूप ब्रह्मा का सिर उनके हाथ से चिपक गया था। भगवान शिव संसार-भर में घूमकर प्रयास करते रहे, किंतु उन्हें ब्रह्मा के कटे शीश से मुक्ति नहीं मिली। कुछ समय बाद, उस शीश का मांस सड़कर गिर गया और केवल हड्डियां शेष रह गईं। इस तरह शिव के हाथ में खाली कपाल रह गया। इसलिए उनका एक नाम 'कपाली' पड़ा। शिव के कुछ अनुयायी, जो कपाल लेकर घूमते हैं, 'कापालिक' कहलाते हैं। फिर एक स्थान पर पहुंचकर शिव के हाथ से कपाल स्वत: छूटकर गिर गया। भगवान समझ गए कि उन्हें ब्रह्म-हत्या के पाप से मुक्ति मिल गई है। इसी कारण वह भूमि, जहां कपाल गिरा, मोक्षदायिनी मानी जाती है और मान्यता है कि उस जगह लोगों को अपने पापों से मुक्ति मिलती है। बाद में यही स्थान काशी (वाराणसी) कहलाया। काशी को 'सप्तपुरी' में भी स्थान मिला है। 'सप्तपुरी' वे सात पवित्र स्थान हैं, जिन्हें मोक्ष-प्राप्ति का तीर्थस्थल माना जाता है। इनमें वाराणसी के अलावा अयोध्या, मथुरा, द्वारका, हरिद्वार, उज्जैन और कांचीपुरम भी शामिल हैं।

क्या गरीब लुप्त होती प्रजाति है,... नीति आयोग की चाहत और सरकार की कोशिश

अगर आप किसी सुबह उठें और अखबार में एक हेडलाइन पढ़ें कि 'कोई गरीब नहीं, भारत ने किया गरीबी का उन्मूलन', तो हैरत नहीं होनी चाहिए। नीति आयोग दरअसल यही चाहता है कि आप इस पर भरोसा करें। योजना आयोग जैसी प्रतिष्ठित संस्था को सरकार का प्रवक्ता बना कर रख दिया गया है। पहले उसने घोषणा की कि देश में बहुआयामी गरीबी 11.28 फीसदी है और अब इसके सीईओ ने यह खोज की है कि भारत में गरीब आबादी पांच फीसद से ज्यादा नहीं है। सीईओ ने यह आश्चर्यजनक दावा राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा प्रकाशित घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) के निष्कर्षों के आधार पर किया है। एचसीईएस के निष्कर्ष कितने ही आश्चर्यजनक क्यों न हों, लेकिन उनसे ये कहीं से प्रकट नहीं होता कि भारत में गरीबों का अनुपात पांच फीसदी से ज्यादा नहीं है। एचसीईएस का सर्वे अगस्त, 2022 से जुलाई, 2023 के बीच किया गया था। इसने 8,723 गांवों और 6,115 शहरी ब्लॉकों से 2,61,745 घरों (ग्रामीण क्षेत्रों में 60 और शहरी क्षेत्रों में 40 फीसदी) को कवर किया। हम यह भी मान लेते हैं कि नमूना पर्याप्त रूप से प्रतिनिधित्वपूर्ण था और सर्वे की कार्यप्रणाली भी बिल्कुल सटीक थी। इसका उद्देश्य वर्तमान/नॉमिनल कीमतों पर मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (एमपीसीई) की गणना करना था। औसत के रूप में देखें तो एक व्यक्ति का मासिक व्यय था - अब जरा नीचे के 20 फीसदी पर नजर डालते हैं। क्या नीति आयोग गंभीरता से तर्क देता है कि कोई भी व्यक्ति, जिसका मासिक खर्च (भोजन और गैर-खाद्य) ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 2,112 रुपये या 70 रुपये प्रतिदिन है, वह गरीब नहीं है? या शहरी क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति, जिसका मासिक खर्च 3,157 रुपये या प्रतिदिन 100 रुपये है, गरीब नहीं है? मेरा सुझाव है कि सरकार नीति आयोग के प्रत्येक अधिकारी को 2,100 रुपये देकर एक महीने गांवों में जाकर रहने के लिए भेजे और फिर यह बताने के लिए कहे कि उसका जीवन कितना समृद्ध था। एचसीईएस ने खुलासा किया कि उपभोग में भोजन की हिस्सेदारी ग्रामीण क्षेत्रों में घटकर 46 और शहरी क्षेत्रों में 39 फीसदी हो गई है। यह शायद सच है, क्योंकि आय व व्यय तो बढ़ रहा है, लेकिन खाद्य उपभोग का मूल्य वही बना हुआ है या बेहद धीमी गति से बढ़ रहा है। बाकी आंकड़े भी वास्तविकता की कुछ और ही तस्वीर दिखाते हैं। अनुसूचित जाति व जनजातियां सबसे गरीब सामाजिक समूह बने हुए हैं। वे औसत से नीचे, तो ओबीसी औसत के करीब हैं। केवल 'अन्य' हैं, जो औसत के ऊपर हैं। राज्यवार आंकड़ों को देखें, तो सबसे गरीब नागरिक वे हैं, जो छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मेघालय में रहते हैं, जिनका एमपीसीई ग्रामीण क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय औसत से नीचे है। अगर हम शहरी क्षेत्रों के लिए एमपीसीई के राष्ट्रीय औसत पर विचार करें, तो राज्यों के नामों में थोड़ा ही फर्क पाएंगे। इन राज्यों में लंबे समय तक भाजपा और गैर-कांग्रेसी सरकारों का शासन रहा है। फिजूल प्रचार पर न जाएं, तो हैरत की बात है कि 1995 से भाजपा द्वारा शासित गुजरात एमपीसीई के मामले में ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में राष्ट्रीय औसत को लगभग ही गले लगा पाता है।

गरीबों से नजर मत फेरिए जो बात मुझे परेशान करती है, वह है कि भारत में गरीब आबादी का प्रतिशत पांच फीसदी से ज्यादा नहीं है। इसका अर्थ यह भी है कि देश में गरीब एक लुप्त होती प्रजाति है। अब जरा अपना ध्यान देश के मध्य व समृद्ध वर्ग पर दें और परखें कि क्या गरीबों के संबंध में किया जा रहा दावा सही है? - सरकार 80 करोड़ लोगों को प्रति व्यक्ति प्रति माह पांच किलो मुफ्त अनाज क्यों बांटती है? आखिरकार, अनाज व दूसरे विकल्प कुल एमपीसीई का महज 4.91 फीसदी (ग्रामीण) और 3.64 फीसदी (शहरी) हैं। - अगर गरीब पांच फीसदी से ज्यादा नहीं हैं, तो राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण क्यों किया गया, जिसके निम्नलिखित चौंकाने वाले तथ्यों पर नजर डालें- 1) छह से 59 महीने की उम्र के 67.1 फीसदी बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। 2) 15 से 49 वर्ष की 57 फीसदी महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। 3) पांच वर्ष से कम उम्र के 35.5 फीसदी बच्चे अविकसित हैं। 4) पांच वर्ष से कम उम्र के 19.5 फीसदी बच्चे कमजोर हैं। इसके अलावा क्या नीति आयोग ने दिल्ली की सड़कों पर भीख मांगने वाले बच्चों पर अपनी आंखें बंद कर ली हैं और क्या वह नहीं जानता कि देश में बड़ी तादाद ऐसे लोगों की है, जो फुटपाथों या पुलों के नीचे सोते हैं? नीति आयोग नहीं जानता कि मनरेगा के तहत 15.4 करोड़ सक्रिय श्रमिक क्यों हैं? उज्ज्वला लाभार्थी एक साल में औसतन केवल 3.7 सिलिंडर ही क्यों खरीदते हैं? अगर नीति आयोग अमीरों की सेवा ही करना चाहता है तो उसे ऐसा करने दें, लेकिन उसे गरीबों का मजाक नहीं उड़ाने देना चाहिए। सरकार गरीबी भले दूर करने में सफल न हो पा रही हो, लेकिन गरीबों को अपनी नजरों से ओझल करने की पुरजोर कोशिश अवश्य कर रही है। आंकड़े दिखाते हैं कि कुल जनसंख्या के 50 फीसदी का प्रति व्यक्ति व्यय 3,094 रुपये (ग्रामीण) और 4,963 रुपये (शहरी) से ज्यादा नहीं था। आंकड़ों को ज्यादा नजदीक से देखने पर तस्वीर समझ में आती है। अब जरा नीचे के 20 फीसदी पर नजर डालते हैं। क्या नीति आयोग गंभीरता से तर्क देता है कि कोई भी व्यक्ति, जिसका मासिक खर्च (भोजन और गैर-खाद्य) ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 2,112 रुपये या 70 रुपये प्रतिदिन है, वह गरीब नहीं है? या शहरी क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति, जिसका मासिक खर्च 3,157 रुपये या प्रतिदिन 100 रुपये है, गरीब नहीं है? मेरा सुझाव है कि सरकार नीति आयोग के प्रत्येक अधिकारी को 2,100 रुपये देकर एक महीने गांवों में जाकर रहने के लिए भेजे और फिर यह बताने के लिए कहे कि उसका जीवन कितना समृद्ध था। एचसीईएस ने खुलासा किया कि उपभोग में भोजन की हिस्सेदारी ग्रामीण क्षेत्रों में घटकर 46 और शहरी क्षेत्रों में 39 फीसदी हो गई है। यह शायद सच है, क्योंकि आय व व्यय तो बढ़ रहा है, लेकिन खाद्य उपभोग का मूल्य वही बना हुआ है या बेहद धीमी गति से बढ़ रहा है। बाकी आंकड़े भी वास्तविकता की कुछ और ही तस्वीर दिखाते हैं। अनुसूचित जाति व जनजातियां सबसे गरीब सामाजिक समूह बने हुए हैं। वे औसत से नीचे, तो ओबीसी औसत के करीब हैं। केवल 'अन्य' हैं, जो औसत के ऊपर हैं। राज्यवार आंकड़ों को देखें, तो सबसे गरीब नागरिक वे हैं, जो छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मेघालय में रहते हैं, जिनका एमपीसीई ग्रामीण क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय औसत से नीचे है। अगर हम शहरी क्षेत्रों के लिए एमपीसीई के राष्ट्रीय औसत पर विचार करें, तो राज्यों के नामों में थोड़ा ही फर्क पाएंगे। इन राज्यों में लंबे समय तक भाजपा और गैर-कांग्रेसी सरकारों का शासन रहा है। फिजूल प्रचार पर न जाएं, तो हैरत की बात है कि 1995 से भाजपा द्वारा शासित गुजरात एमपीसीई के मामले में ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में राष्ट्रीय औसत को लगभग ही गले लगा पाता है।

फास्ट फूड नेशन बनने की ओर, ...मगर आहार शैली का यह बदलाव चिंता का सबब

चाहे सत्ता में किसी भी दल की सरकार हो और आप चाहे जहां भी देखें, विरोधाभास भारतीय वास्तविकता के केंद्र में है। इसलिए शायद आश्चर्य की बात नहीं कि प्राचीन भारत, प्राचीन सभ्यता के आदर्श और मूल्यों की व्यापक चर्चा के बीच भारतीय खानपान की संस्कृति अति-प्रसंस्कृत खाद्य की ओर बढ़ रही है, जिसे कथित तौर पर आधुनिक आहार का मुख्य आधार कहा जाता है और जिसका, हमारी सेहत पर बुरा असर भी पड़ रहा है। हाल ही में जारी घरेलू उपभोग खर्च सर्वेक्षण (एचसीईएस) एक बार फिर उसी बात की पुष्टि कर रहा है, जिसके बारे में चिकित्सक और स्वास्थ्य पैरोकार लंबे समय से चेतावनी दे रहे थे। यह नवीनतम सर्वेक्षण अगस्त, 2022 से जुलाई, 2023 के बीच किया गया था। 11 वर्षों के अंतराल के बाद प्रकाशित नवीनतम सर्वेक्षण की तुलना पहले के सर्वेक्षणों से नहीं की जा सकती। नवीनतम एचसीईएस में कई नई चीजें हैं, लेकिन बदलाव का व्यापक रुझान स्पष्ट है। एक उभरता हुआ रुझान भारतीय खानपान से संबंधित है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष दिखाते हैं कि कुल खाद्य उपभोग खर्च में अनाज और दालों की हिस्सेदारी ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में तेजी से घट रही है। वर्ष 1999-2000 में ग्रामीण परिवारों में अनाज पर खर्च कुल उपभोग खर्च का 22.16 फीसदी था, जो कि अब घटकर 4.91 फीसदी रह गया है। शहरी परिवारों में अनाज पर खर्च इसी अवधि के दौरान 12 फीसदी से घटकर 3.64 फीसदी रह गया है। इसी तरह वर्ष 1999-2000 में ग्रामीण परिवारों में दालों पर खर्च कुल उपभोग खर्च का 3.81 फीसदी था, जो अब घटकर 1.77 फीसदी रह गया है और शहरी परिवारों में यह 2.84 फीसदी से घटकर 1.21 फीसदी रह गया है। ग्रामीण परिवारों में अनाज एवं दालों पर खर्च में गिरावट यादा स्पष्ट दिखाई देता है।

इसका एक प्रमुख कारण प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त और सब्सिडी वाले खाद्यान्नों (अनाज एवं दालें) का वितरण हो सकता है। नवीनतम घरेलू सर्वे से यह भी पता चलता है कि अब लोग दूध, अंडा, मछली एवं मांस, फल एवं सब्जियों के उपभोग पर यादा खर्च करने लगे हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के लोग सूखे मेवे (ड्राइ फ्रूट्स) का अधिक सेवन कर रहे हैं। लेकिन ये आंकड़े पूरी कहानी बयां नहीं करते हैं। अन्य चिंताजनक संकेतक भी हैं-पेय एवं प्रसंस्कृत खाद्य पर खर्च का हिस्सा शहरी और ग्रामीण भारत में वर्ष 2011-12 के कुल मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग खर्च (एमपीसीई) के 7.9 फीसदी से बढ़कर 9.4 फीसदी हो गया है। वर्ष 1999-2000 में यह आंकड़ा 4.19 फीसदी था। इसके साथ ही पिछले दशक की इसी अवधि में ग्रामीण भारत में पान, तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों पर खर्च 3.21 फीसदी से बढ़कर 3.70 फीसदी हो गया है। वर्ष 1999-2000 में यह आंकड़ा 2.87 फीसदी था। इन आंकड़ों से रुझान स्पष्ट हैं। भारतीय शहरों का आहार संबंधी आंकड़ा तो और भी चौंकाने वाला है। नवीनतम अनुमानों के अनुसार, शहरी भारत में कुल मासिक उपभोग खर्च का लगभग 11 फीसदी प्रसंस्कृत खाद्य पर खर्च होता है। यह तब हो रहा है, जब भारत जीवन-शैली से जुड़ी बीमारियों से संबंधित महामारी की ओर बढ़ रहा है, जो कुछ अंश तक खराब आहार के कारण होता है। नवीनतम घरेलू उपभोग खर्च सर्वेक्षण ग्रामीण एवं शहरी, दोनों क्षेत्रों में बढ़ते चिकित्सीय उपचार (अस्पतालों में भर्ती और गैर-भर्ती, दोनों इलाजों पर) खर्च को दर्शाता है। स्वास्थ्य पैरोकार चेतावनी दे रहे हैं कि खराब आहार हमारे स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। वे बेहतर विनियमन की जरूरत बताते हैं, जिसमें व्यवहार परिवर्तन के साथ पैक लेबलिंग एवं उपभोक्ता जागरूकता शामिल हैं। नवीनतम उपभोक्ता सर्वे से यह भी पता चलता है कि अति-प्रसंस्कृत खाद्य का उपभोग देश के शहरी एवं ग्रामीण, दोनों इलाकों में बढ़ा है। आहार-शैली में बदलाव का भारत के तीव्र आर्थिक विकास से गहरा संबंध है। कई अध्ययनों में रेखांकित किया गया है कि अति-प्रसंस्कृत खाद्य जीवन के प्रारंभिक चरण में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 2023 की अपनी रिपोर्ट में रेखांकित किया कि नमकीन स्नैक्स की उच्च वृद्धि दर चिंता का एक प्रमुख कारण है, क्योंकि ऐसे खाद्य पदार्थों की बढ़ती खपत से उपभोक्ताओं में उच्च रक्तचाप और अन्य एनसीडी के जोखिम बढ़ सकते हैं। द ग्रोथ ऑफ अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स इन इंडिया: एन एनालिसिस ऑफ ट्रेंड्स, इश्यूज, ऐंड पॉलिसी रिकमेंडेशन शीर्षक डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट में भी बताया गया है कि खुदरा बिक्री की मात्रा के मामले में तैयार और सुविधाजनक भोजन उपश्रेणी में सॉस/ड्रेसिंग/मसालों का वर्चस्व है, इसके बाद इंस्टेंट नूडल्स और रेडी-टू-ईट (आरटीई) खाना पकाने की सामग्री का स्थान है। ये उत्पाद अक्सर चीनी, नमक और संतृप्त वसा से भरपूर होते हैं, जिसके कारण इनका नियमित आधार पर उपभोग ठीक नहीं है। खुदरा बिक्री मूल्य के संदर्भ में इन श्रेणियों की 2021 में बाजार हिस्सेदारी 90 फीसदी थी, जो 2011 में 88 फीसदी थी। इसके अलावा, उच्च शर्करा और उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स (कार्बोहाइड्रेट वाले आहार की पाचन एवं एक निश्चित समयावधि में शुगर लेबल नापने का तरीका) वाले नाश्ते का अनाज भी चिंता के विषय हो सकते हैं, क्योंकि भारत में मधुमेह के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स के परिणामस्वरूप रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) के स्तर में अचानक वृद्धि हो सकती है, जिससे मधुमेह रोगियों के लिए स्वास्थ्य खतरा पैदा हो सकता है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि भारत में छोटे बचों और किशोरों में ब्लड शुगर का स्तर सामान्य से बहुत अधिक होने के मामलों में भी भारी वृद्धि हो रही है। एरिक श्लॉसर ने 2001 में प्रकाशित अपनी पुस्तक फास्ट फूड नेशन: द डार्क साइड ऑफ द ऑल-अमेरिकिन मील में अमेरिका के फास्ट फूड उद्योग के स्याह पक्ष को दर्शाया है, कि कैसे इसने अमेरिका के परिदृश्य को बदल दिया, अमीर और गरीब के बीच की खाई को चौड़ा कर दिया, मोटापे की महामारी को बढ़ावा दिया और दुनिया भर में खाद्य उत्पादन में बदलाव लाया।

मस्तक पर त्रिपुंड का तिलक, खुला बाबा महाकाल का तीसरा नेत्र, श्रीराम की पगड़ी पहनकर सजे बाबा महाकाल

महाकाल मंदिर में आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज बाबा महाकाल का भांग से विशेष श्रृंगार सूर्य के स्वरूप में त्रिपुंड तिलक लगाकर किया गया था। वहीं श्रृंगार में बाबा महाकाल की तीसरा नेत्र भी बनाया गया था। जिसके बाद बाबा महाकाल को श्री राम की पगड़ी पहनाई गई और मिष्ठानों का विशेष भोग भी लगाया गया। बाद में बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

आंतरिक क्षेत्र का निरीक्षण किया गया- श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि महापर्व की व्यवस्था के संबंध में श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ श्री महाकालेश्वर मंदिर के बाहरी एवं आंतरिक क्षेत्र का निरीक्षण किया गया तथा दर्शन मार्ग का दौरा किया व संबंधितों को विशेष दिशा-निर्देश प्रदान किये।

प्रतिदिन हो रहा है मंदिर प्रांगण में नारदीय कीर्तन- देवर्षि नारदजी खड़े होकर करतल ध्वनि व वीणा के साथ हरि नाम कीर्तन करते हैं। इसलिए कीर्तन की इस पद्धति को नारदीय कीर्तन कहा जाता है। श्री महाकालेश्वर मंदिर में यह परंपरा विगत 115 वर्षों से भी अधिक समय से चलती आ रही है। श्री महाकालेश्वर मंदिर के प्रागंण में शिवनवरात्रि निमित्त सन् 1909 से कानडकर परिवार, इन्दौर द्वारा वंशपरम्परानुगत हरिकीर्तन की सेवा दी जा रही है। इसी तारतम्य में श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा कथारत्न हरि भक्त परायण पं. रमेश कानडकर जी के शिव कथा व हरि कीर्तन का आयोजन सायं 4:30 से 6 बजे तक मन्दिर परिसर मे नवग्रह मन्दिर के पास संगमरमर के चबूतरे पर चल रहा है। तबले पर संगत असीम कानडकर ने की।

किशोर दा को आदर्श मानने वाले वैभव लाएंगे 90 के दौर को वापस, सलमान और रणवीर के लिए चाहेंगे गाना

कल रात यानि तीन मार्च 2024 को इंडियन आइडल 14 को अपना विजेता मिल गया। कानपुर के वैभव गुप्ता ने इंडियन आइडल 14 की चमचमाती ट्रॉफी और इनाम के 25 लाख रूपये अपने नाम किया। आद्या मिश्रा, अनन्या पाल, पीयूष पंवार, सुभादीप दास, अंजना पद्मनाभन के साथ वैभव भी टॉप पांच प्रतियोगियों शामिल थे। विजेता बनने के बाद वैभव ने अपने फ्यूचर प्लान मीडिया के साथ साझा किया।

सलमान और रणवीर हैं पसंदीदा – गायक वैभव गुप्ता को रविवार को इंडियन आइडल 14 का विजेता घोषित किया गया। विजेता बनने के बाद मीडिया से बातें करते हुए वैभव कहते हैं, मुझे अभी कितना अच्छा लग रहा है इस भावना को मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाऊंगा। मैं अब फिल्मों के लिए गाना चाहता हूं। सलमान और रणवीर मेरे पसंदीदा कलाकार है। मेरा सपना है कि मैं उनके लिए पार्श्व गायन करूं।

90 के दशक को लाएंगे वापस वैभव अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, 90 का दशक संगीत के लिए सबसे सुरीला दौर रहा है। मैं अपनी गायकी से उसी मिठास को वापस लाना चाहता हूं। आज के युवा किशोर कुमार को फिर से सुनने लगे हैं। संगीत के साथ नए प्रयोग होने लगे हैं। मैं खुश हूं कि मैं इस दौर का हिस्सा हूं।

म्यूजिक वीडियो बनाएंगे वैभव के लिए इंडियन आइडल 14 का सफर बेहद रोमांचक रहा है। वे अपने सफर को याद करते हुए कहते हैं, जब महेश भट्ट आए थे और उन्होंने मेरी गायकी को सुनकर सीटी बजाया था, वह पल मेरे लिए बहुत खास था। मैं अब और बेहतर काम करना चाहता हूं। मैं अपना म्यूजिक वीडियो लाना चाहूंगा जिसका संगीत मधुर हो। मैंने ऑलरेडी इसके लिए सोचना शुरू कर दिया है।

रविवार को लापता लेडीज ने दिखाया कमाल
आर्टिकल 370 की कमाई भी रही धुआंधार

सिनेमाघरों में दर्शकों के मनोरंजन के लिए इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं। मार्च की पहली तारीख को रिलीज हुई फिल्म लापता लेडीज खूब चर्चा बटोर रही है। वहीं, फरवरी के महीने में रिलीज हुई फिल्में-तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, क्रैक और आर्टिकल 370 भी अभी टिकी हुई हैं। वीकएंड पर आमतौर पर फिल्मों की कमाई में उछाल आता है। इस बार का रविवार किस फिल्म के लिए खास बना, आइए जानते हैं...

लापता लेडीज – किरण राव द्वारा निर्देशित फिल्म लापता लेडीज 1 मार्च को रिलीज हुई। ओपनिंग डे पर इस फिल्म कलेक्शन कुछ सुस्त रहा। आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन 75 लाख रुपये कमाए। हालांकि, अगले दिन शनिवार को इसकी कमाई बढ़ी और कारोबार रहा 1.45 करोड़ रुपये। तीसरे दिन रविवार की छुट्टी का भी इस फिल्म को खूब फायदा

मिला है। आंकड़ों के मुताबिक रविवार को इस फिल्म ने 1.80 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसी के साथ फिल्म की कुल कमाई चार करोड़ रुपये हो गई है।

आर्टिकल 370 -23 फरवरी को रिलीज हुई यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 का बॉक्स ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन जारी है। वीकएंड पर एक बार फिर इसकी कमाई में उछाल आया है। पहले सप्ताह में फिल्म ने 35.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे सप्ताह भी इसकी धुआंधार कमाई हो रही है। आंकड़ों के मुताबिक रविवार को (10वें दिन) आर्टिकल 370 ने 6.35 करोड़ रुपये कमाए, फिल्म की कमाई अब 50.45 करोड़ हो गई है।

क्रैक -विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक की हालत शुरुआत से ही बॉक्स ऑफिस पर खस्ता चल रही है। आलम यह है कि फिल्म अब लाखों में कमाई कर रही है। वीकएंड का फायदा भी इस फिल्म को मिलता नहीं दिखा। आंकड़ों के मुताबिक 10वें दिन (रविवार को) फिल्म ने 28 लाख रुपये का कारोबार किया। इस फिल्म की कुल कमाई सिर्फ 13.13 करोड़ रुपये तक पहुंची है।

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया नौ फरवरी को रिलीज हुई शाहित कपूर और कृति सेनन की तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया भी अभी तक सिनेमाघरों में टिकी हुई है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 44.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे हफ्ते में इसने 21.65 करोड़ रुपये और तीसरे हफ्ते में 10.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। आंकड़ों के मुताबिक चौथे रविवार को फिल्म ने 1.45 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म का टोटल कलेक्शन 79.80 करोड़ रुपये हो गया है।

रायपुर में रिलीज होगा सुदीप्तो की 'बस्तर' का ट्रेलर, नए पोस्टर ने बनाया माहौल

आजाद देश में तिरंगा फहराने के जुर्म नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में जिस एक शख्स के शरीर के टुकड़े टुकड़े कर दिए थे, उसकी पत्नी की सत्यकथा पर प्रेरित फिल्म बताई जाती है, 'बस्तर द नक्सल स्टोरी'। फिल्म का ट्रेलर मंगलवार को रायपुर में लॉन्च करने की तैयारी है। फिल्म का ट्रेलर अब तक जिसने भी देखा है, वह इसे साल का सबसे धमाकेदार ट्रेलर बता रहा है। फिल्म के ट्रेलर रिलीज का एलान इसे बनाने वाली कंपनी सनशाइन पिक्चर्स ने रविवार को फिल्म के दो नए पोस्टर जारी करने के साथ किया। इसमें एक पोस्टर तो अदा शर्मा का पुलिस वर्दी में है जबकि दूसरे पोस्टर में फिल्म की दूसरी हीरोइन इंदिरा तिवारी का बहुत ही रौद्र रूप देखने को मिल रहा है।

मंगलवार को रायपुर में लॉन्च होगा ट्रेलर- निर्माता विपुल शाह और निर्देशक सुदीप्तो सेन की फिल्म 'द केरल स्टोरी' के बाद आ रही दूसरी फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' दो मांओं के कानून के दोनों तरफ फंसे होने की कहानी कहती है। फिल्म के ट्रेलर में पहली बार इस कहानी की झलक देखने को मिलेगी। अदा

शर्मा और इंदिरा तिवारी इस फिल्म की मुख्य नायिकाएं हैं और 15 मार्च को रिलीज होने जा रही इस फिल्म को लेकर माहौल अभी से गर्माने लगा है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का ट्रेलर मंगलवार को नक्सल प्रभावित राज्य छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में लॉन्च होने जा रहा है। इस ट्रेलर लॉन्च के साथ ही फिल्म का विधिवत ऑन ग्राउंड प्रचार शुरू हो जाएगा।

अदा शर्मा का दिखेगा अनोखा रूप -फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' में अपने किरदार के बारे में अभिनेत्री अदा शर्मा कहती हैं, 'ये फिल्म हमारे देश के नक्सल प्रभावित क्षेत्र की कहानी है। ये फिल्म वैसे तो एक मां-बेटे की कहानी है लेकिन इसमें मेरा किरदार एक धुरी की तरह काम करता है। मैंने इस किरदार के लिए छत्तीसगढ़ के नक्सल बहुल इलाके में जाकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। वहां रही और वहां काम कर रहे हमारे देश के जांबाज सपूतों की दिनचर्या को समझा। मैं नमन करती हूं उन सारे वर्दीधारियों को जो अपना घर, परिवार और बच्चे पीछे छोड़ देश की मिट्टी की रक्षा के लिए वहां दिन रात अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।'

रत्ना के किरदार के लिए खूब मेहनत की-वहीं फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' में अपने किरदार के बारे में अभिनेत्री इंदिरा तिवारी का कहना है, 'फिल्म 'बस्तर' में मुझे रत्ना का किरदार देने के लिए मैं फिल्म के निर्माता विपुल शाह और निर्देशक सुदीप्तो सेन की आभारी हूं। ये फिल्म मेरे अभिनय जीवन की अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका वाली फिल्म रही है। फिल्म में अपने किरदार को करने के लिए मैंने स्वयं भी काफी शोध किया। मुझे इस फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं और मेरा विश्वास है कि विपुल जी और सुदीप्तो दा की जोड़ी फिर एक बार 'द केरल स्टोरी' की तरह ही बड़े परदे पर लोगों को आश्चर्यचकित करेगी।'

जान जोखिम में डालकर सच जुटाया -फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' के निर्माता विपुल शाह खुद भी मेगा बजट फिल्मों के निर्देशन में सक्रिय रहे हैं। विपुल बताते हैं, 'इस फिल्म की कहानी लिखने से पहले हम नक्सल प्रभावित इलाकों का दौरा करने कई बार गए। हर बार हमें यही सलाह दी जाती थी कि हम खुले में बिना सुरक्षाबलों के कतई न जाएं। तमाम तरह की सावधानियां हमें इस दौरान बरतनी पड़ीं और इस शोध को पूरा करने के लिए हमने कई बार अपनी जान जोखिम में डाली। हमने जान पर खेलकर इस कथा का सच जुटाया है।'

या देवी सर्वभूतेषु पर नीता अंबानी का शानदार डांस...इन सितारों ने भी लगाए चार चांद

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का तीन दिवसीय प्री-वेडिंग फंक्शन संपन्न हो गया है। गुजरात के जामनगर में प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन 1 मार्च 2024 से शुरू हुआ। इसमें देश-विदेश की तमाम चर्चित हस्तियों ने हिस्सा लिया। देश के सबसे बड़े बिजनेसमैन मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के सबसे छोटे बेटे के विवाह पूर्व के कार्यक्रमों में खूब रौनक रही। धीरे-धीरे उत्सव से तस्वीरें और वीडियो सामने आ रही हैं। नीता अंबानी की एक वीडियो सामने आई है, जिसमें वे या देवी सर्वभूतेषु पर शानदार नृत्य करती दिख रही हैं। इसके अलावा फंक्शन से बॉलीवुड सितारों की भी खूबसूरत फोटो सामने आई हैं। चलिए देखते हैं... नीता अंबानी नृत्य कला में माहिर हैं। अक्सर अंबानी परिवार के समारोह में नीता अंबानी अपनी डांस प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध कर देती हैं। इस बार जब आयोजन छोटे बेटे अनंत अंबानी के प्री-वेडिंग समारोह का था तो वे कैसे पीछे रह सकती थीं! इस बार भी नीता अंबानी ने या देवी सर्वभूतेषु पर शानदर कथक कर सभी का दिल जीत लिया। फंक्शन से सामने आया

उनका यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इस भव्य आयोजन में बॉलीवुड जगत की तमाम हस्तियां शामिल हुईं। तीन दिवसीय सेलिब्रेशन में अलग-अलग कार्यक्रम रखे गए। हर कार्यक्रम में सितारों का खूबसूरत अंदाज देखने को मिला। प्री-वेडिंग फंक्शन के आखिरी दिन के उत्सवों से भी बॉलीवुड हस्तियों की तस्वीरें सामने आ रही हैं। करीना कपूर और सैफ अली खान सपरिवार जामनगर पहुंचे। तीसरे दिन के फंक्शन में बेबो गोल्डन कलर के आउटफिट में खूबसरत लगीं, वहीं सैफ अली खान ब्लैक कलर के आउटफिट में नजर आए। तैमूर का अंदाज भी काफी जुदा रहा। अनंत और राधिका के प्री-वेडिंग फंक्शन में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट भी तीनों दिन शामिल रहे। रविवार के आयोजन में रणबीर और आलिया क्रीम कलर के मैचिंग कपड़ों में नजर आए। इनके अलाावा माधुरी दीक्षित भी अपने पति श्रीराम नेने के साथ जामनगर पहुंचीं। तीसरे दिन के फंक्शन में धक-धक गर्ल का खूबसूरत अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। इनके अलावा शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान, निर्माता बोनी कपूर, अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और बॉलीवुड के दबंग खान यानि सलमान भी समारोह में शरीक हुए। सभी सितारों ने अपने शानदार अंदाज फंक्शन में चार चांद लगा दिए।

रणदीप हुड्डा का फैंस को तोहफा, स्वतंत्र वीर सावरकर के ट्रेलर रिलीज डेट का किया एलान

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता की फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर- ए सिनेमैटिक ट्रिब्यूट टू इंडियाज अनसंग हीरो नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है। यह फिल्म 22 मार्च 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। राष्ट्रीय शहीद दिवस के खास मौके पर इस खुशखबरी की घोषणा की गई। अब फिल्म के ट्रेलर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है।

स्वतंत्र वीर सावरकर की कहानी

रणदीप हुड्डा की आगामी निर्देशित पहली फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर, 22 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वीर सावरकर भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में एक अदम्य व्यक्ति रहे। फिल्म एक सम्मोहक यात्रा की शुरुआत करती है, जो एक दूरदर्शी और तेजतर्रार स्वतंत्र वीर सावरकर की पौराणिक लेकिन उपेक्षित कहानी को जीवंत करती है।

रणदीप हुड्डा का फैंस को तोहफा

आज रणदीप हुड्डा ने फिल्म से जुड़ी ताजा खबर साझा की। फिल्म का ट्रेलर कल लॉन्च किया जाएगा और इस मौके पर रणदीप ने पोस्टर भी लॉन्च किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया, अब तक अनसुना। हमारे साथ जुड़ें क्योंकि हम अखंड भारत के सबसे विवादास्पद क्रांतिकारी स्वतंत्र वीर सावरकर की अनकही कहानी का खुलासा करेंगे। स्वतंत्र वीर सावरकर का ट्रेलर कल आएगा।

स्वतंत्र वीर सावरकर का निर्माण, रिलीज -स्वतंत्र वीर सावरकर- ए सिनेमैटिक ट्रिब्यूट टू इंडियाज अनसंग हीरो जी स्टूडियोज, आनंद पंडित, रणदीप हुड्डा, संदीप सिंह और योगेश राहर द्वारा निर्मित है। साथ ही यह रूपा पंडित, सैम खान, अनवर अली, पांचाली चक्रवर्ती द्वारा सह-निर्मित है। रणदीप हुड्डा, अंकिता लोखंडे और अमित सियाल अभिनीत यह फिल्म 22 मार्च 2024 को दो भाषाओं-हिंदी और मराठी में रिलीज होगी।

तमिल इंडस्ट्री ने इन सुपरहिट हिंदी फिल्मों का किया रीमेक, लिस्ट में कमल हासन-विजय की मूवीज भी शामिल

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के अक्सर साउथ फिल्मों का रीमेक बनानी की खबरे सुनने को मिलती हैं। बॉलीवुड में यह हिट फॉर्मूला लंबे समय से चला आ रहा है, लेकिन क्या आपको पता है कि हिंदी भाषा में बहुत सी ऐसी शानदार फिल्में बनी हैं, जिन्हें तमिल भाषा में वहां के कलाकारों ने बनाया है। आइए जानते हैं इन फिल्मों के बारे में...

मनिथन

फिल्म मनिथन साल 2016 में रिलीज हुई थी। इस तमिल फिल्म में उदयनिधि स्टालिन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म हिंदी भाषा में बनी हिट फिल्म जॉली एलएलबी का रीमेक थी। इस फिल्म का निर्देशन आई. अहमद ने किया था।

ओस्थे

फिल्म ओस्थे साल 2011 में रिलीज हुई तमिल भाषा में बनी

एक्शन कॉमेडी फिल्म है। फिल्म का निर्देशन धरानी ने किया है। इसमें सिलंबरासन, ऋचा गंगोपाध्याय, सोनू सूद, जीतन रमेश, संथानम, वीटीवी गणेश, नासर और रेवती जैसे कलाकारों ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। यह सलमान खान अभिनीत सुपरहिट फिल्म दबंग का रीमेक है।

नानबन

तमिल सुपरस्टार विजय की सुपरहिट फिल्मों में नानबन का नाम भी शामिल है। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। यह साल 2009 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म थ्री इडियट्स का रीमेक थी। फिल्म का निर्देशन एस शंकर ने किया था।

अब तक श्रद्धा कपूर पर मोहित ये कलाकार, रणबीर कपूर की टिप्पणी पढ़कर चौंक जाएंगे..

अभिनेता शक्ति कपूर की लाडली बेटी श्रद्धा कपूर ने अपने करियर के शुरुआत में तीन पत्ती और लव का द एंड जैसी फिल्में की, लेकिन उन्हें सफलता फिल्म आशिकी 2 से मिली। श्रद्धा कपूर खुद इस बात को मानती हैं कि इस फिल्म ने उनके करियर की दशा और दिशा बदल दी। हर साल 26 अगस्त को श्रद्धा कपूर फिल्म के निर्देशक मोहित सूरी को फोन करके उनका आभार व्यक्त करती हैं कि उन्होंने इस फिल्म में आरोही की भूमिका के लिए उनका चयन किया। 3 मार्च 1987 को जन्मी श्रद्धा कपूर आज अपना 37वां जन्मदिन मना रही हैं। उनके जन्मदिन पर आइये जानते हैं उनके साथ काम करने वाले कलाकार, निर्माता और निर्देशक क्या कहते हैं। हर साल मुझे फोन करती हैं मोहित सूरी निर्देशक मोहित सूरी की फिल्म आशिकी 2 में श्रद्धा कपूर ने आरोही की भूमिका निभाई और इस भूमिका में उन्हें काफी पसंद किया गया। यह फिल्म 26 अप्रैल 2013 को रिलीज हुई थी। मोहित सूरी कहते हैं, श्रद्धा हर साल फिल्म की एनिवर्सरी पर मुझे फोन करके धन्यवाद देती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि आशिकी 2 वो फिल्म है जिसने उन्हें लोकप्रियता दिलाई। हालांकि उनको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है लेकिन वह हर 26 अप्रैल को ऐसा करती हैं और इससे पता चलता है कि वह किस तरह की इंसान है। भूरी आंखें भावनाएं जताती हैं -विशाल भारद्वाज निर्माता - निर्देशक विशाल भारद्वाज की फिल्म हैदर में श्रद्धा कपूर ने एक कश्मीरी लड़की अर्शिया का किरदार निभाया था।

प्री-वेडिंग समारोह के समापन में चलेगा सुरों का जादू, अरिजीत-एकॉन बांधेंगे समां

अनंत और राधिका के प्री-वेडिंग फंक्शन गुजरात के जामनगर में हो रहे हैं। इस समारोह में फिल्मी कलाकारों के साथ कई विदेशी हस्तियों ने भी शिरकत की है। आज कार्यक्रम का तीसरा दिन है। नीता अंबानी ने बेटे अनंत अंबानी और होने वाली बहू राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन के लिए हैंडलूम कांचीपुरम साड़ी पहनी। यह साड़ी दक्षिण भारत के बुनकरों द्वारा हस्तनिर्मित एक उत्कृष्ट कृति है, जिन्होंने पीढ़ियों से अपनी कला को निखारा है और यह पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल के प्रति उनके गहरे सम्मान का बयान है। भारतीय कला और संस्कृति की प्रबल संरक्षक, नीता अंबानी ने स्थानीय कारीगरों के अद्वितीय कौशल पर प्रकाश डालने के लिए इस साड़ी को चुना।अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन से वायरल एक तस्वीर जबरदस्त सुर्खियों में है। इसमें रुमर्ड कपल अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर साथ में मस्ती करते नजर आ रहे हैं। वहीं, इस फोटो में रणबीर कपूर भी हैं, जिन्हें जोड़े को थंब्स अप दिखाते देखा जा रहा है।

फिल्म रा वन का छम्मक छल्लो गाना गाकर सुर्खियों में आए सिंगर एकॉन किसी पहचान के मुहताज नहीं हैं। सिंगर होने के साथ ही एकॉन प्रोड्यूसर, लेखक, बिजनसमैन और अभिनेता भी हैं। एकॉन का पहला एल्बम ट्रबल था लेकिन उनको पहचान लॉक्ड अप से मिली। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन में अपने सुरों का जादू चलाने के लिए एकॉन जामनगर पहुंच चुके हैं।अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन में जबरदस्त परफॉर्मेंस जारी है। इसी बीच अपने सुरों का जादू चलाने के लिए मशहूर गायक अरिजीत सिंह जामनगर पहुंच गए हैं।रिहाना की आकाश अंबानी और ईशा अंबानी की एक इनसाइड तस्वीर सामने आई है। इसमें तीनों को खिलखिलाकर हंसते देखा जा रहा है।

वहीं, एक अन्य फोटो में मुकेश अंबानी, सदी के महानायक अमिताभ बचन का स्वागत करते नजर आ रहे हैं। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी ने बेटे अनंत अंबानी और होने वाली बहू राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग समारोह में समा बांध दिया। दोनों ने एक खूबसूरत डांस परफॉर्मेंस दी, जिसकी झलक इस तस्वीर में देखी जा सकती है। साथ ही ईशा अंबानी और आनंद पीरामल ने भी अपनी डांस परफॉर्मेंस से फंक्शन में चार चांद लगा दिए। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन के

तीसरे और आखिरी दिन भी सितारों ने समा बांधा। समारोह में अनन्या पांडे, मनीष मल्होत्रा, खुशी कपूर और जान्हवी कपूर दिल खोलकर थिरके, जिसकी खूबसूरत तस्वीर सामने आते ही छा गई है।

चीन में आज से शुरू होगा '2 सेशंस'

लड़खड़ाती इकोनॉमी को कार्यक्रम से उम्मीद

बीजिंग। चीन में नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) और चीनी पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस (सीपीपीसीसी) की बैठक के साथ ही चीन के दो सेशंस कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार से होने जा रही है. ये आयोजन चीन के राजनीतिक वर्ग के साथ-साथ व्यापार, तकनीक, मीडिया और कला के नेताओं को एक मंच पर लाता है। चीनी भाषा में इस आयोजन लिआंगहुई के रूप में जाना जाता है. यह चीन के विधायी एजेंडे का एक वार्षिक कार्यक्रम है और लगभग दो सप्ताह तक चलता है. इस दौरान नए कानूनों, राजनीतिक नियुक्तियों, वित्त मंत्रालय और राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग जैसे विभिन्न विभागों के कामकाज का विवरण देने वाली सरकारी वर्क रिपोर्ट को मंजूरी दी जाएगी।

ड्रैगन की डगर पर नजर -पिछले साल के इस प्रोग्राम के दौरान, प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति के रूप में रिकॉर्ड तीसरे कार्यकाल के लिए शी जिनपिंग को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दी थी. इस साल आयोजन में चीन की पिछड़ती अर्थव्यवस्था का मुद्दा हावी रहने की संभावना है, जो धीमी वृद्धि, बड़े पैमाने पर कर्ज और गिरते निर्यात से जूझ रही है। सबसे अहम प्रीमियर ली कियांग की वार्षिक वर्क रिपोर्ट का पेश होना होगा, जो सरकार की उपलब्धियों की समीक्षा करेगी और 2024 के लिए लक्ष्य निर्धारित करेगी. उम्मीद है कि ली 2024 के लिए लगभग 5 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित करेंगे और चीन की गिरती जन्म दर से लेकर तकनीकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विनियमन के भविष्य तक प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

कई प्रमुख नियुक्तियां भी की जा सकती हैं पिछले साल, एनपीसी की स्थायी समिति के 11 सदस्यों को हटा दिया गया, जिनमें विदेश मंत्री किन गैंग और रक्षा मंत्री ली शांगफू शामिल हैं। जिन लोगों को हटाया गया, उनका संबंध सेना सहित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) रॉकेट फोर्स से था, जो चीन की परमाणु और पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों की देखरेख करती है।

एनपीसी और सीपीपीसीसी क्या है?

एनपीसी और सीपीपीसीसी दोनों चीनी राज्य संस्थान हैं जो तकनीकी रूप से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) से अलग हैं. हालांकि इन दोनों संस्थानों का अधिकांश काम पार्टी द्वारा तय होता है। कागज पर, एनपीसी आधिकारिक तौर पर चीन का सर्वोच्च विधायी निकाय है. देश के प्रांतों, स्वायत्त क्षेत्रों, बड़े शहरों, पीएलए और पीपुल्स आर्म्ड पुलिस का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 3,000 सदस्य इसके मेंबर हैं। एनपीसी में स्वशासित ताइवान का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधि भी हैं, जिस पर सीसीपी दावा करती है, भले ही बीजिंग का आईलैंड पर कंट्रोल नहीं है। एनपीसी के प्रतिनिधि नीतिगत लक्ष्यों पर प्रगति की समीक्षा करते हैं. नए कानून और वरिष्ठ राजनीतिक नियुक्तियों को मंजूरी देने के लिए वोटिंग करते हैं. हालांकि वास्तव में अधिकांश प्रतिनिधियों के पास बहुत कम राजनीतिक शक्ति होती है। तकनीकी रूप से अधीनस्थ होने के बावजूद, एनपीसी स्थायी समिति को व्यावहारिक रूप से विधायिका की तुलना में अधिक शक्तिशाली माना जाता है, क्योंकि यह विधायी सत्रों के बीच नियमित रूप से बैठक करती है। चाइना नीकन न्यूज़लेटर के सह-संपादक एडम नी के मुताबिक, 'एनपीसी एक लोकतांत्रिक संसद के अर्थ में संसद नहीं है जहां प्रतिनिधि निष्पक्ष चुनाव के माध्यम से चुने जाते हैं. इसके प्रतिनिधि कम्युनिस्ट पार्टी के मार्गदर्शन में चीनी आबादी के एक छोटे से हिस्से द्वारा चुने जाते हैं। सीपीपीसीसी में पूरे 2,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होते हैं. यह एक राजनीतिक सलाहकार बॉडी है. सीपीपीसीसी प्रतिनिधियों में तकनीक, कला, मीडिया के नेता और अर्ध-स्वायत्त हांगकांग और मकाऊ के नेता शामिल हैं। इसके प्रतिनिधि आवश्यक रूप से सीसीपी के सदस्य नहीं होते हैं. हालांकि यह सामान्य मुद्दों पर विभिन्न लोगों को एकजुट करने और चीन के प्रभाव को फैलाने के 'संयुक्त मोर्चा' प्रयासों का हिस्सा है।

जीएसटी प्रवर्तन प्रमुखों का सम्मेलन आज नई दिल्ली में वित्त मंत्री करेंगी उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री निर्मला सीतारमण 4 मार्च को नई दिल्ली में एक दिवसीय जीएसटी प्रवर्तन प्रमुखों के सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। इस सम्मेलन में कर चोरी रोकने के उपायों पर चर्चा होगी। वित्त मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में बताया कि इस सम्मेलन में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी शामिल होंगे। सम्मेलन में सभी राज्य और केंद्रीय माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के प्रवर्तक प्रमुखों के साथ कर चोरी रोकने के उपायों पर चर्चा होगी। इसके अलावा नकली चालान प्रक्रिया से निपटना, सर्वोत्तम अभ्यास साझा करना एवं तालमेल को बढ़ावा देना, प्रौद्योगिकी और डेटा का लाभ उठाना तथा व्यवसाय करने में आसानी को संतुलित करना जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा।

भारत-नेपाल में जल्द शुरू होगी डिजिटल भुगतान सेवा

नए दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली। भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने शनिवार को भारतीय रिजर्व बैंक के नए दिशानिर्देशों की सराहना करते हुए कहा कि नए निर्देशों से भारत-नेपाल के बीच डिजिटल वित्तीय सेवाओं का विस्तार होगा। नए निर्देशों के तहत अब नेपाल के नागरिक प्रति डिजिटल लेनदेन के जरिये 2 लाख रुपये भारत से नेपाल भेज सकते हैं। इसके अलावा वॉक-इन ग्राहक प्रति लेनदेन 50,000 रुपये भेज सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि नेपाल में यूपीआई की सुविधा के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस-नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड का जल्द उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद भारत-नेपाल के बीच नकदी ले जाने असुविधा खत्म हो जाएगी। आरबीआई के नए निर्देशों के मुताबिक, नेपाली खाताधारकों को प्रति लेनदेन 2 लाख रुपये भेजने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा ग्राहक साल में 12 बार व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति होकर 50,000 रुपये की राशि नेपाल भेज सकते हैं। जून 2023 में, एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड ने भारत के यूपीआई और नेशनल पेमेंट्स इंटरफेस को एकीकृत करके दोनों देशों के बीच सीमा पार डिजिटल भुगतान की सुविधा शुरू करने का एलान किया था। इसे नेपाल में एनपीआई नाम दिया जाएगा।

भारत ने चीन के जहाज को रोका

बौखलाए पाकिस्तान ने उगला जहर

नई दिल्ली । भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने चीन से पाकिस्तान जा रहे एक जहाज को मुंबई बंदरगाह पर रोक लिया है. भारत का दावा है कि इस जहाज से परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों से जुड़े कंसाइनमेंट हैं. जहाज रोके जाने पर पाकिस्तान की तरफ से रिएक्शन आया है. पाकिस्तान ने कहा कि इस जहाज में कोई भी मिसाइल से जुड़ा सामान नहीं है. पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता जहरा बलूच ने कहा कि भारतीय मीडिया जहाज को लेकर जिस तरह से दावा कर रही है, इसमें कोई सच्चाई नहीं है. परमाणु और मिसाइल से जुड़े सामान होने के भारतीय दावे को भी पाकिस्तान ने सिरे से खारिज कर दिया है. विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता जहरा बलूच ने शनिवार को अपने बयान में कहा, भारतीय मीडिया की आदत है कि तथ्यों को गलत तरीके से पेश करती है. यह कराची स्थित एक कंपनी में खराद मशीन आयात का एक साधारण मामला है. कंपनी पाकिस्तान में ऑटोमोबाइल उद्योगों को मशीनरी उपकरणों की आपूर्ति करती है. ये उपकरण स्पष्ट रूप से व्यावसायिक उपयोग के लिए बनाए जाते हैं.

पाकिस्तान ने कार्रवाई को बताया अनुचित

पाकिस्तानी प्रवक्ता ने कहा कि जहाज के साथ जरूरी दस्तावेज हैं, पारदर्शी तरीके से मशीन की खरीद से जुड़े बैंक के चालान आदि भी हैं. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि भारत द्वारा इस तरह की कार्रवाई अनुचित है. पाकिस्तान की निजी संस्थाएं इसके खिलाफ कदम उठा रही हैं. पाकिस्तान ने कहा इस तरह की मनमानी जब्ती का पाकिस्तान निंदा करता है. मुक्त व्यापार में भारत की पुलिस व्यवधान डालने का काम कर रही है. पाकिस्तान ने कहा इस तरह के कृत्य अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन और मनमानी रवैया है.

खुफिया सूचना पर कस्टम विभाग ने की कार्रवाई

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने मुंबई बंदरगाह पर चीन से पाकिस्तान जा रहे शिप को रोका है. शिप में संदिग्ध सामान होने की सूचना पर कार्रवाई की गई है. बताया गया कि यह शिप कराची बंदरगाह जा रहा था. खुफिया सूचना पर कस्टम अधिकारियों ने आधुनिक मशीनों से शिप की जांच की, जिसमें पता चला कि पाकिस्तान परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री इस जहाज के माध्यम से लाई जा रही थी.

खेल/आरोग्य

टेस्ट सीरीज के अंतिम मैच के लिए धर्मशाला पहुंचीं भारत-इंग्लैंड की टीमें

नई दिल्ली। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में 7 मार्च से खेले जाने वाले भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले के लिए रविवार को दोनों टीमों के खिलाड़ी धर्मशाला पहुंच गए। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और कुछ खिलाड़ी अभी धर्मशाला नहीं पहुंचे हैं। खराब मौसम के बावजूद चंडीगढ़ से कांगड़ा एयरपोर्ट पर दोनों टीमों के खिलाड़ी एक ही विमान से पहुंचे। एयरपोर्ट से दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में अलग-अलग वाहनों से धर्मशाला में कंडी स्थित होटल ब्लू रेडिसन लाया गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था इसी होटल में की गई है। उल्लेखनीय है कि एचपीसीए के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में 7 मार्च से 11 मार्च तक टेस्ट सीरीज का पांचवां व आखिरी टेस्ट मैच खेला जाना है। सीरीज भारत पहले ही तीन-एक से अपने नाम कर चुका है। वहीं धर्मशाला टेस्ट को जीतकर वह इस जीत को चार-एक करने के लिए उतरेगा। वहीं, इंग्लैंड की टीम सीरीज के अंतिम मुकाबले को जीतकर इसे तीन-दो करने के लिए मशक्कत करेगी।

हल्की बूंदाबांदी के बीच खिलाड़ियों का स्वागत

रविवार सुबह जैसे ही दोनों टीमों के खिलाड़ी कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचे, तब मौसम खराब होने के चलते बूंदाबांदी हो रही थी। हल्की बूंदाबांदी ने दोनों टीमों का स्वागत किया। एचपीसीए के पदाधिकारी भी दोनों टीमों को रिसीव करने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे हुए थे।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित सहित कई खिलाड़ी नहीं पहुंचे धर्मशाला

उधर एचपीसीए के ज्वाइंट सेक्रेटरी विशाल शर्मा ने बताया कि इंग्लैंड टीम के सभी खिलाड़ियों का आगमन हो चुका लेकिन भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ी टेस्ट मैच से पहले धर्मशाला पहुंचेंगे, जिनमें भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी हैं। उन्होंने बताया कि दोनों टीमों के खिलाड़ियों का स्वागत हिमाचली संस्कृति के मुताबिक होटल में किया गया। एचपीसीए टेस्ट मैच के लिए पूरी तरह तैयार है।

खराब मौसम के चलते दोनों टीमों का प्रैक्टिस सेशन रद्द

पिछले तीन दिन से हो रही लगातार बारिश के चलते सोमवार को होने वाला प्रैक्टिस सेशन रद्द करना पड़ा है। एचपीसीए के प्रेस सचिव मोहित सूद ने बताया कि सोमवार को दोनों टीमों ने प्रैक्टिस के लिए क्रिकेट स्टेडियम पहुंचना था लेकिन लगातार हो रही बारिश के चलते मैदान की आउटफील्ड गीली है। जिसके चलते कल का प्रैक्टिस सेशन रद्द कर दिया गया है।

बढ़ता वजन किसी गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं? ऐसी है आपकी लाइफस्टाइल तो हो जाइए सावधान

अधिक वजन या मोटापा की समस्या को स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंताकारक स्थिति मानी जाती है। इससे कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का खतरा भी हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अपने वजन को कंट्रोल रखने की सलाह देते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने बताया, जिन लोगों का वजन सामान्य से अधिक होता है उनमें डायबिटीज, हृदय रोग और हार्ट अटैक जैसी क्रोनिक बीमारियों और जानलेवा समस्याओं का खतरा अधिक हो सकता है। वजन जितना अधिक होता है घुटने पर उतना अतिरिक्त दबाव बढ़ता है जिससे आर्थराइटिस जैसी गंभीर समस्याओं का खतरा हो सकता है। द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित विश्लेषण के अनुसार, दुनियाभर में मोटापे से ग्रस्त बच्चों, किशोरों और वयस्कों की कुल संख्या एक बिलियन (एक अरब) से अधिक हो गई है। क्या आप भी बढ़ते वजन की समस्या के शिकार हैं? ये स्थिति न सिर्फ आपमें क्रोनिक बीमारियों का जोखिम बढ़ा देती है साथ ही कई बीमारियों के विकास का संकेत भी हो सकती है। इसलिए मोटापे या वजन बढ़ने की समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना और इसे कंट्रोल करना जरूरी हो जाता है। मोटापा हो सकती है स्वास्थ्य के लिए समस्याकारक -स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों के साथ-साथ बुजुर्ग भी मोटापा के शिकार हो रहे हैं। अधिक वजन की स्थिति सभी लोगों के लिए समस्याकारक हो सकती है। मोटापा बढ़ने के लिए आहार-जीवनशैली में गड़बड़ी के अलावा कुछ बीमारियां भी कारक हो सकती हैं। वजन बढ़ने का मुख्य कारण अधिक खाना खाना, विशेषतौर पर ज्यादा कैलोरी से भरपूर आहार का सेवन करना माना जाता है। जो लोग पहले से ही क्रोनिक बीमारियों के शिकार हैं, उनमें मोटापा बढ़ना बीमारियों के जटिलाता को और भी बढ़ाने वाला हो सकता है। उदाहरण के लिए यदि आप पहले से ही हृदय रोग से पीड़ित है तो मोटापे की समस्या हार्ट अटैक जैसी घातक स्थितियों का कारक हो सकती है। आइए जानते हैं कि वजन बढ़ने के क्या कारण हो सकते हैं सेंडेंटरी लाइफस्टाइल या शारीरिक निष्क्रियता की कमी आपमें कई बीमारियों के जोखिम को बढ़ा देती है। दिन में अधिकतर समय बैठे रहना और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण मोटापा हो सकता है। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल सिर्फ मोटापा ही नहीं बढ़ाती है, ये आपमें डायबिटीज, हार्ट की समस्याओं का भी कारक हो सकती है। यही कारण है कि सभी लोगों को रोजाना व्यायाम करते रहने की सलाह दी जाती है।

पन्ना पुलिस का जन संवाद आयोजन अमानगंज में संपन्न

राम नरेश विश्वकर्मा। सिटी चीफ पन्ना, मध्य प्रदेश राज्य शासन गृह विभाग के दिशा निर्देशन में चलाए जा रहे पुलिस जन संवाद आयोजन को लेकर पन्ना जिले के विभिन्न पुलिस थाना क्षेत्र में आज दिनांक 3 मार्च 2024 दिन रविवार को थाना मुख्यालय पर पुलिस संवाद आयोजन थाना प्रभारी द्वारा आयोजित किए गए। अमानगंज पुलिस थाने में अयोजन नगर से बाहर नर्मदा स्ट्रीट हाईवे होटल में आयोजित हुआ। जहां स्थानीय एवं क्षेत्रीय थाना क्षेत्र के प्रतिनिधि व्यापारी बंधु एवं पत्रकार साथियों की मौजूदगी रही। जहां सभी उपस्थित अतिथियों से थाना क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम को लेकर उनके विचार आमंत्रित किए गए स्थानीय एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने इस विषय में अमानगंज नगर की मुख्य सड़क मार्ग स्टेट हाईवे में नगर में प्रवेश हो रहे जेके सीमेंट के वाहनों के द्वारा लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर अपनी चिंता जाहिर की और इन ट्रकों पर दिन के समय नगर से प्रवेश में रोक लगाई जाने के विचार रखें। साथ ही क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री और जुआ को लेकर भी अपनी चिंता जाहिर की साथ ही स्थानीय पत्र प्रतिनिधि ने शासन की गाइडलाइन के अनुसार ध्वनि प्रदूषण यंत्रों पर सम एकरूपता के साथ नियंत्रण लगाए जाने की बात कही। ज्ञात हो कि नगर में मुख्य सड़क मार्ग एवं मंदिर की जमीनों पर कब्जा किया जा चुका है जिसको लेकर आए दिन विवाद की स्थिति और सड़क दुर्घटनाओं का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है इस विषय में स्थानीय स्तर से लेकर जिला स्तर और जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक पत्र कार्यवाही की जा चुकी है परंतु अब तक कोई ठोस निर्णय न आने से जनता में आक्रोश भी देखा जा रहा है। स्थानीय जनता ने कहा है कि सबसे पहले मंदिरों और मुख्य सड़क मार्ग की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। कार्यक्रम में नगर निकाय अध्यक्ष श्रीमती सारिका खटीक, वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित जयप्रकाश चतुर्वेदी, मुकेश चोबे, विशाल सिंह भदोरिया, रामेश्वर दुबे आदि आदि ने अपने विचार रखें। थाना प्रभारी महेंद्र सिंह भदोरिया ने इस मौके पर शासन की ओर से आपेक्षिक विचार एवं नगर में सम एकरूपता के साथ बनाए जाने पर अपने विचार रखे। दोनों ही बीट के नायब तहसीलदार ने अपनी ओर से अतिक्रमण की समस्या को लेकर एक बार पुन: पत्र कार्यवाही की अपेक्षा जिला स्तर पर चाहिए और शासन के निर्देश उपरांत कार्यवाही का भरोसा दिलाया है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा

ट्रांसफार्मर असफल होने की शिकायत टोल फ्री नं.1912 पर दर्ज कराएं

भोपाल, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है की मॉनसून सीजन के दौरान आँधी, बारिश एवं अन्य व्यवधान के कारण वितरण ट्रांसफार्मर असफल होने की शिकायतें 1912 पर दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ताओं के पास विद्युत ट्रांसफार्मर व्यवधान संबंधी शिकायतों को दर्ज कराने के लिए कॉल सेन्टर के टोल फ्री नंबर 1912 एवं मोबाइल एप 'उपाय का विकल्प मौजूद हैं। उपभोक्ता इन विकल्पों में से किसी भी एक विकल्प का उपयोग कर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्थापित वितरण ट्रांसफार्मर के असफल होने संबंधी शिकायतें या सूचना दर्ज करा सकते हैं। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ता शिकायत दर्ज कराने के लिए अपने मोबाइल में प्ले स्टोर के माध्यम से उपाय एप को डाउनलोड कर एवं उसके उपयोग से भी अपनी शिकायत आसानी से दर्ज करा सकते हैं अथवा 1912 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है।

सीबीआई ने 20 लाख रु. की घूसखोरी में एनएचएआई के जीएम एवं डीजीएम तथा एक निजी कंपनी के दो निदेशकों सहित छह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया

रिश्वत राशि सहित 1.10 करोड़ रु. बरामद

सीबीआई ने 20 लाख रु. की घूसखोरी से जुड़े मामले में छः व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, इसमें दो एनएचएआई के अधिकारी, जिसमे से एक, महाप्रबंधक व परियोजना निदेशक, एनएचएआई, पीआईयू, नागपुर (रिश्वत लेने वाला) तथा दूसरा, उप महाप्रबंधक व परियोजना निदेशक, एनएचएआई, हरदा (एमपी) के साथ एक निजी कंपनी के दो निदेशक तथा दो कर्मचारी शामिल हैं। अब तक रिश्वत की राशि सहित लगभग 1.10 करोड़ रु. का नकद बरामद/जब्त किया गया है।

सीबीआई ने एनएचएआई के चार लोक सेवकों, भोपाल स्थित निजी कंपनी, उक्त निजी कंपनी के दो निदेशकों एवं कर्मचारियों सहित पांच निजी व्यक्तियों व अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया, जिसमे आरोप है कि भोपाल स्थित एक निजी कंपनी के निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा आवंटित की गई विभिन्न सड़क परियोजनाओं में पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने, बिलों पर कार्यवाही करने, आवंटित कार्यों की सुचारू प्रगति आदि के बदले में अपने कर्मचारियों के माध्यम से एनएचएआई के लोक सेवकों को रिश्वत पहुंचाते रहे हैं। यह भी आरोप है कि निजी कंपनी के कर्मचारी, नागपुर व मध्य प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर लोक सेवकों को रिश्वत पहुंचाते हैं। आगे यह आरोप है कि प्रोजेक्ट आउटर रिंग रोड़ हेतु उक्त कंपनी का एक कर्मचारी, लंबित बिलों पर कार्यवाही और पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने सहित लंबित मामलों को निपटाने हेतु महाप्रबंधक व परियोजना निदेशक, एनएचएआई, पीआईयू, नागपुर के साथ नियमित संपर्क में है। आगे, यह आरोप है कि 25 लाख रु. की रिश्वत राशि, उक्त महाप्रबंधक व परियोजना निदेशक, एनएचएआई, पीआईयू, नागपुर को पहुंचाई जाने की संभावना थी।

सीबीआई ने जाल बिछाया एवं उक्त निजी कंपनी के कर्मचारी द्वारा एनएचएआई के उक्त महाप्रबंधक व प्रोजेक्ट मैनेजर को 20 लाख रु. की रिश्वत देने के बाद, दोनों को पकड़ लिया। नागपुर, भोपाल व हरदा सहित विभिन्न स्थानों पर स्थित आरोपियों के कार्यालयों और आवासों पर तलाशी ली जा रही है। अन्य आपत्तिजनक दस्तावेजों, डिजिटल उपकरणों आदि के साथ अब तक ट्रैप मनी सहित 1.10 करोड़ रु. (लगभग) नकद बरामद/जब्त किए गए हैं।

सुशील त्रिपाठी ने कहा

कांग्रेस अगर जीत का स्वाद चखना चाहे तो नीलांशू को मैदान पर उतारकर जीत का जश्न मना सकती है

श्री निवास मिश्रा। सिटी चीफ सतना, नीलांशू चतुर्वेदी ही कांग्रेस पार्टी के लिए सतना लोकसभा क्षेत्र पर कांग्रेस को जीत दिला में मददगार बन सकता। अगर कांग्रेस सतना लोकसभा क्षेत्र पर अपना परचम फहराना चाह रही जीत का स्वाद चखने की लालसा रखती है जीत हासिल कर भारतीय जनता पार्टी पटखनी देना चाहती है तो चित्रकूट क्षेत्र के पूर्व बिधायक नीलांशू को अपनी पार्टी का सिम्बल आवंटित कर कई वर्षो की खोई हुई बोटिंग को अपनी ओर आकर्षित कर चुनाव जीत हासिल कर भारतीय जनता पार्टी का रिकार्ड बनाना रोक सकती है। निर्विवाद चेहरा रहेगा विपक्ष के नाखुश नेता अंदर से मदद करेंगे। नीलांशू का हर वर्ग के बोटर से मधुर संबंध साफ-स्वच्छ क्षबि साथ साथ दान दाता भी है दान देने के नाम पर मशहूर भी है सभी जाति धर्म का बोटर इनका समर्थक है । पार्टी के सभी सदस्य से सम्बन्ध बहुत मधुर है कोई बगावत नही करेंगे सभी कांग्रेसी नेता संगठित होकर चुनाव जीतने के लिए दिन रात एक कर देगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी से नीलांशू चतुर्वेदी का मुकाबला बहुत रोमांचक बना दिया जाएगा पिछड़ा गरीब वर्ग का बोटर तन मन से नीलांशू की मदद करेगा ।शादी-विवाह हो या गमी सब की मदद निस्वार्थ भाव से करता हुआ चला आ रहा कभी दवा के रूप पर तो कभी घी डालडा शक्कर रुपए पैसे के रूप पर हमेशा उसका दरवाजा खुला हुआ है। गरीब परिवार का सहयोग करता है गरीब को कभी भी निराश होकर उसके पास से नही आते देखा गया।

नागरिकों को सुशासन देने के लिये सरकार ने दी हैं अनेक सुविधाएँ

भोपाल, नागरिकों को सुशासन देने केलिये राज्य सरकार ने अनेक सुविधाएँ दी हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इन सेवाओं में सीएम हेल्पलाइन, महिला हेल्पलाइन, सीएम जनसेवा और दिव्यांग हेल्पलाइन प्रमुख हैं।

सीएम हेल्पलाइन 181 कॉल सेंटर

राज्य सरकार ने नागरिकों के लिये सीएम हेल्पलाइन 181 संचालित की है। कॉल सेंटर के माध्यम से नागरिकों को शासकीय योजनाओं की जानकारी, शिकायत और सुझाव हेतु संपर्क किया जाता है। अब तक सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। जन सामान्य में नागरिकों की समस्या के निराकरण के लिये सीएम हेल्पलाइन 181 काफी लोकप्रिय है।

महिला हेल्पलाइन

महिला उत्पीड़न से बचाव के लिये महिला हेल्पलाइन का संचालन भी किया जा रहा है। महिला हेल्पलाइन के संचालन के लिये सीएम हेल्पलाइन 181 से एकीकरण किया गया है। महिला हेल्पलाइन में महिलाओं से संबंधित अपराधों और समस्याओं में महिला की काउंसलिंग कर तत्काल राहत पहुँचाई जा रही है।

सीएम जन सेवा

सीएम जनसेवा का शुभारंभ प्रदेश में लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर किया गया था। इसका संचालन भी 181 के माध्यम से किया जा रहा है। सीएम जन सेवा के माध्यम से 7 प्रमुख सेवाएँ, इनमें स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, चालू खसरा की प्रतिलिपि, खतौनी की प्रतिलिपि, चालू नक्शा की प्रतिलिपि, भू-अधिकार पुस्तिका की प्रतिलिपि और स्पेसिमेन कॉपी (खसरा, खतौनी एवं नक्शा) टोल-फ्री नंबर 181 पर एक कॉल पर माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है।

दिव्यांग हेल्पलाइन

दिव्यांगजनों की समस्याओं के तेजी से निराकरण किये जाने के मकसद से फरवरी 2023 में दिव्यांग हेल्पलाइन प्रारंभ की गई है। यह हेल्पलाइन 181 से ही जुड़ी हुई है। यह सभी सेवाएँ लोक सेवा प्रबंधन द्वारा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही है।

ग्वालियर चंबल की चारों सीटों पर कांग्रेस के लिए बसपा फिर बनेगी मुसीबत

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के जिन लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी की यात्रा गुजर रही है उन क्षेत्रों में कांग्रेस की जीत में बसपा रोड़ा बनी हुई है। राहुल गांधी की यात्रा ग्वालियर चंबल की चार में से तीन लोकसभा क्षेत्र से होकर गुजर रही है। इन सीटों पर बहुजन समाज पार्टी का भी खासा प्रभाव है। सबसे ज्यादा प्रभाव मुरैना सीट पर दिखाई देता है। लोकसभा के पिछले कुछ चुनाव में यह देखने को मिला है कि कांग्रेस की हार बसपा के वोट काटने से होती है। विधानसभा चुनाव 2023 में भी बसपा ने कई सीटों पर कांग्रेस को नुकसान पहुंचा और जिसका फायदा भाजपा को मिलता हुआ दिखाई दिया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने शनिवार को मुरैना जिले में राजस्थान से प्रवेश किया। मुरैना लोकसभा सीट पर कांग्रेस लंबे अरसे से चुनाव नहीं जीत सकी है। इस सीट पर उसकी टक्कर भाजपा के साथ बसपा से भी होती है साल 2014 में कांग्रेस यहां से तीसरे नंबर पर पहुंच गई थी बसपा यहां पर दूसरे नंबर पर रही थी जबकि पिछले चुनाव में भाजपा की जीत के अंतर से ज्यादा वोट बसपा ले गई थी। मुरैना के अलावा राहुल गांधी की यात्रा ग्वालियर से गुजर गई है, अब गुना संसदीय क्षेत्र में पहुंचेगी इन दोनों सीटों पर भी पिछले दो चुनाव में बसपा का वोट बैंक अच्छा खासा रहा है। साल 2019 के चुनाव में ग्वालियर से बसपा ने 44000 से ज्यादा वोट प्राप्त किया वहीं गुना सीट से पिछले चुनाव में बसपा को 37 हजार 350 वोट मिले थे। इसी तरह साल 2014 के चुनाव में ग्वालियर में बसपा ने 68 हजार 196 वोट और गुना में 27 हजार 412 वोट प्राप्त किए थे।

यूआईडीएआई दिल्ली तथा एमपीएसईडीसी, भोपाल की गाइडलाइन के अनुसार

आधार पंजीयन केन्द्र का संचालन शासकीय परिसर के अतिरिक्त अन्य स्थान पर नहीं

भोपाल, यूआईडीएआई दिल्ली तथा एमपीएसईडीसी, भोपाल की गाइडलाइन के अनुसार आधार पंजीयन केन्द्र का संचालन किसी शासकीय परिसर के अतिरिक्त अन्य स्थान पर नहीं किया जा सकता है। जिन आधार सुपरवाइजर द्वारा ऐसा किया जाता है वह पूर्णत: अवैध है। साथ ही यदि बाजार की किसी भी दुकान में आधार बनाये अथवा सुधारे जाने संबंधी बोर्ड लगाया जाता है तो वह भी अवैध है। इससे आम नागरिक में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और अन्य आधार पंजीयन सुपरवाइजर जो निर्धारित स्थान पर पंजीयन का कार्य कर रहे हैं प्रभावित होते हैं। आधार से संबंधित शुल्क भी शासन द्वारा निर्धारित किए गए हैं। आधार का पंजीयन पूर्णत: नि:शुल्क है। इसके पश्चात बायोमेट्रिक अपडेट फोटो, उंगली के निशान, आंख की रेटिना आदि के डेमोग्राफिक अपडेट मोबाइल नंबर, पता आदि सहित 100 रुपये शुल्क निर्धारित है। केवल डेमोग्राफिक अपडेट के लिए 50 रुपये तथा ई-आधार कार्ड के कलर प्रिंट आउट के लिए 30 रुपये का शुल्क निर्धारित है। यदि कोई व्यक्ति अधिक शुल्क लेता है, तो वह अवैध है। आधार केन्द्रों पर शुल्क की जानकारी का बैनर लगा होना, रजिस्टर पंजी संधारित होना, जिसमें हितग्राहियों की डिटेल जानकारी शुल्क का विवरण भी दर्ज होना आवश्यक है। आधार हेल्पलाइन नं. 1947 पर रसीद में दी गयी जानकारी अनुसार शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। आवेदक या पीड़ित व्यक्ति यूआईडीएआई दिल्ली के मेल आईडी help uidai.giv.in पर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके साथ ही संबंधित उपखण्ड (राजस्व) अधिकारी के कार्यालय में जाकर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिले में आधार के संबंध में जिला ई-गवर्नेन्स प्रबंधक के मेल degssidhi gmail.com पर भी लिखित में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

चुनाव धांधली के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर इमरान की पार्टी के 100 से ज्यादा समर्थक गिरफ्तार

इस्लामाबादः पाकिस्तान के चुनाव में कथित धांधली के विरोध में रैली कर रहे जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के 100 से ज्यादा समर्थकों को पंजाब के अलग-अलग हिस्सों से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पार्टी संस्थापक इमरान खान के आह्वान पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में कथित धांधली के खिलाफ शनिवार को समूचे पाकिस्तान में विरोध प्रदर्शन किए थे। ज्यादातर लोगों को लाहौर से गिरफ्तार किया गया है जहां नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री मरयम नवाज़ ने पीटीआई समर्थकों पर कार्रवाई का आदेश दिया था।

बीजिंगः चीन के कई ग्रामीण निवासी जो वर्षों से शहरी प्रवासी बनकर मध्यम वर्ग की समृद्धि की तलाश में थे, अब खुद को दो विकल्पों के बीच फंसा हुआ महसूस करते हैं कि अपर्याप्त संसाधनों वाले गांवों में रहे या निराशाजनक रोजगार की संभावनाओं के साथ जनसंख्या केंद्रों में धक्के खाने के लिए शहर चले जाएं । वुहान विश्वविद्यालय के एक सर्वेक्षण के अनुसार चीन के तेजी से शहरीकरण ने ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर मुद्दों को भी जन्म दिया है, जिनमें बुजुर्गों की देखभाल की अपर्याप्त पहुंच, तलाक की बढ़ती दर और प्रजनन क्षमता में गिरावट शामिल है। चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो के सहयोग से किया गया यह शोध फरवरी के मध्य में चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के दौरान 115,000 निवासियों - 34,000 ग्रामीण और 81,000 शहरी से एकत्र किए गए डेटा पर आधारित था। रिपोर्ट में कहा गया है, चीन वर्तमान में एक अभूतपूर्व शहरी-ग्रामीण एकीकरण के दौर से गुजर रहा है। रिपोर्ट में शहरों में घर और कार खरीदने वाले किसानों की बढ़ती संख्या और डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन शॉपिंग की लोकप्रियता की ओर इशारा किया गया है।सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल चीन की दो-तिहाई आबादी शहरों में रहती थी, जबकि दो दशक पहले यह संख्या 40 प्रतिशत थी।हालांकि, घरेलू आय और व्यय के बीच बेमेल के कारण, वुहान विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में एक शहरीकृत जीवनशैली एक दुविधापूर्ण जाल, एक छद्म-मध्यम वर्गीय जीवन का सामना कर रही है। लेखकों ने चेतावनी दी है कि ग्रामीण निवासियों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाला जीवन बनाए रखना कठिन होता जा रहा है, जैसा कि गांवों के स्पष्ट रूप से खोखले होने से पता चलता है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 74 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उनके गांवों में 60 प्रतिशत से भी कम लोगों ने रहना पसंद किया है, और 30 प्रतिशत ने कहा कि उनके गांवों में 30 प्रतिशत से कम आबादी देखी जा रही है।इसका तात्पर्य यह है कि एक प्राकृतिक गाँव के भीतर, बड़ी संख्या में किसान परिवारों के दरवाजे साल भर बंद रहते हैं, घर पर कोई नहीं होता है।

पाकिस्तान में कट्टरपंथी इस्लामवादियों ने एक और अहमदिया मस्जिद में तोड़फोड़ की

इस्लामाबादः पाकिस्तान में कट्टरपंथी इस्लामवादियों ने एक और अहमदिया मस्जिद में तोड़फोड़ की। इस बेहद परेशान करने वाली घटना में अज्ञात हमलावरों ने कराची के दस्तगीर इलाके में एक अहमदिया मस्जिद को निशाना बनाया। हमलावरों ने कथित तौर पर हमले के दौरान अहमदिया समुदाय के खिलाफ नारे लगाए, जिससे पाकिस्तान में इस धार्मिक अल्पसंख्यक की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। अहमदिया, जिन्होंने विभाजन के दौरान पाकिस्तान नाम के एक इस्लामी राष्ट्र के विचार के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, अब खुद को उसी देश में हाशिए पर पाते हैं जिसे उन्होंने आकार देने में मदद की थी। उनके ऐतिहासिक योगदान के बावजूद, अहमदिया समुदाय को व्यापक भेदभाव का सामना करना पड़ता है, पाकिस्तान में कई मुसलमान उन्हें साथी मुसलमानों के रूप में मान्यता नहीं देते हैं। यह बहिष्कार ऐसे कानून के अस्तित्व से और भी बढ़ गया है जो स्पष्ट रूप से उन्हें गैर-मुस्लिम घोषित करता है। अहमदिया मुस्लिम समुदाय इस्लाम के भीतर एक संप्रदाय है जिसकी स्थापना 19वीं सदी के अंत में मिर्जा गुलाम अहमद ने की थी। हालाँकि यह लगभग सभी इस्लामी सिद्धांतों में विश्वास रखता है, लेकिन कुछ विरोधाभास

मुख्यधारा इस्लाम से उनके निष्कासन का कारण बन गए हैं। इस्लाम के अनुसार, पैगंबर मुहम्मद अंतिम पैगंबर हैं और कुरान अंतिम धार्मिक पाठ है। हालाँकि, अहमदिया मुहम्मद को पैगंबर मानते हैं, लेकिन आखिरी नहीं। उनके अनुसार, मिर्ज़ा गुलाम अहमद आखिरी पैगंबर थे, जिन्हें अक्सर अनुयायियों द्वारा मुसलमानों द्वारा प्रतीक्षित महदी या मसीहा के वादे के रूप में संदर्भित किया जाता है। 1974 में, पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने आधिकारिक तौर पर अहमदियाओं को गैर-मुस्लिम घोषित कर दिया, जिससे एक दशक बाद और अधिक प्रतिबंधात्मक उपायों के लिए मंच तैयार हुआ। 1984 में, पाकिस्तान की संसद में एक कानून पारित किया गया जिसने न केवल अहमदिया को गैर-मुस्लिम के रूप में नामित किया, बल्कि उन्हें खुद को मुस्लिम के रूप में पहचानने से भी रोक दिया। कानून इस हद तक आगे बढ़ गया कि उन्हें मीनारों के साथ मस्जिद बनाने के अधिकार से वंचित कर दिया गया, ये तत्व इस्लामी वास्तुकला के लिए आवश्यक माने जाते हैं। इन भेदभावपूर्ण उपायों के परिणामस्वरूप, कई अहमदिया मस्जिदें अक्सर हमलों का निशाना बन गई हैं। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई ताजा घटना ने समुदाय को सदमे में डाल दिया है, जिससे पाकिस्तान में उनके अस्तित्व को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पूजा स्थल पर हिंसा से अहमदिया समुदाय के सदस्य भय और असुरक्षित स्थिति में हैं। इस हमले को न केवल एक अलग घटना के रूप में देखा जाता है, बल्कि पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय द्वारा सामना किए जाने वाले उत्पीड़न के एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा माना जाता है।

चीन की मैन्युफैक्चरिंग लगातार पांचवें महीने घटी, अधिकारियों पर बढ़ा दबाव

बीजिंगः एक आधिकारिक सर्वेक्षण से पता चला कि अगस्त में चीन की विनिर्माण गतिविधि में लगातार पांचवें महीने गिरावट आई है, जिससे घरेलू और विदेशी दोनों स्तरों पर नरम मांग के बीच आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अधिकारियों पर दबाव बना हुआ है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार आधिकारिक क्रय प्रबंधक सूचकांक जुलाई में 49.3 से बढ़कर 49.7 हो गया, जो विस्तार से संकुचन के 50-बिंदु स्तर से नीचे रहा। रीडिंग 49.4 के पूर्वानुमान से ऊपर थी।दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बीजिंग के वार्षिक विकास लक्ष्य लगभग 5त्न से चूकने का जोखिम उठा रही है क्योंकि अधिकारी संपत्ति में गिरावट, कमजोर उपभोक्ता खर्च और गिरती ऋण वृद्धि से जूझ रहे हैं, जिससे प्रमुख बैंकों को वर्ष के लिए अपने विकास पूर्वानुमानों को कम करना पड़ रहा है। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के वरिष्ठ अर्थशास्त्री लुईस लू ने कहा, यह बताना जल्दबाजी होगी, लेकिन आज के रिपोर्ट से पता चलता है कि तीसरी तिमाही में विकास गतिविधियों में क्रमिक वृद्धि अभी भी संभव हो सकती है। खासकर अगर आने वाली प्रोत्साहन राशि अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने लगे। निवेशकों की धारणा को बढ़ावा देने के लिए बीजिंग ने रविवार को स्टॉक ट्रेडों पर स्टांप शुल्क को आधा करने की घोषणा की, जो 2008 के बाद कर में पहली कटौती है।

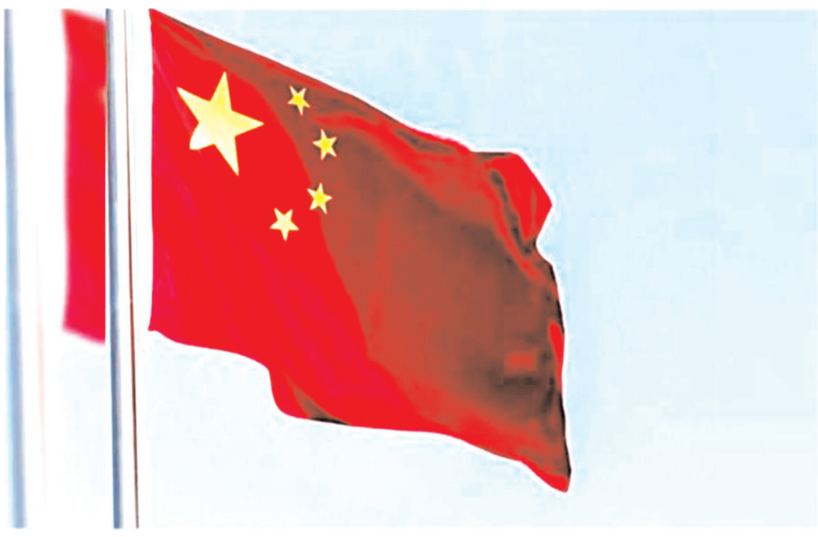

प्रथम-गृह बंधक को आसान बनाने के लिए शुक्रवार को विस्तृत नियमों का भी अनावरण किया गया। और कुछ चीनी सरकारी स्वामित्व वाले बैंक जल्द ही मौजूदा बंधक पर ब्याज दरें कम करेंगे। फिर भी, कई विश्लेषक बढ़ते ऋण जोखिमों पर चिंताओं के बीच किसी कठोर प्रोत्साहन की बहुत कम संभावना देखते हैं। गैर-विनिर्माण पीएमआइ जिसमें सेवा क्षेत्र की गतिविधि और निर्माण के लिए उप-सूचकांक शामिल हैं, सेवा गतिविधि में लगातार गिरावट के कारण जुलाई के 51.5 से गिरकर 51.0 पर आ गया। एचएसबीसी में मुख्य एशिया अर्थशास्त्री और ग्लोबल रिसर्च एशिया के सह-प्रमुख फ्रेडरिक न्यूमैन ने कहा, बढ़ते सबूतों के साथ कि गैर-विनिर्माण गतिविधि धीमी हो रही है, समग्र विकास को धीमा रखने के लिए विनिर्माण क्षेत्र में अधिक निर्णायक उछाल की आवश्यकता होगी। बता दें कि विनिर्माण और गैर-विनिर्माण गतिविधि दोनों सहित समग्र पीएमआई 51.1 से बढ़कर 51.3 हो गया है

पीछे नहीं हटेंगे किसान, अब 6 मार्च के लिए किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार से अपनी मांगें पूरी करवाने के लिए सड़कों पर उतरे किसानों ने एक बार फिर बड़ा ऐलान किया है। प्रदर्शन कर रहे किसान वर्ग ने साफ कर दिया कि वह जब तक दिल्ली नहीं पहुंचेंगे, तब तक पीछे नहीं हटेंगे। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर का कहना है कि 6 मार्च को सभी राज्यों के किसान बसों व ट्रेनों के रास्ते से दिल्ली कूच करेंगे। पंढेर ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों को कहा था कि वह ट्रैक्टर ट्रालियों की बजाय बसों व ट्रेनों से दिल्ली आ जाए, लेकिन अब जिन लोगों के पास ज्यादा साधन नहीं है, वह 6 को दिल्ली कूच करेंगे। पंढेर ने कहा, पंजाब और हरियाणा के किसान यहीं (खनौरी और शंभू बॉर्डर) रहेंगे, हम अपने ट्रैक्टरों और

ट्रॉलियों के बिना आगे नहीं बढ़ेंगे...हमने दिल्ली की ओर मार्च करने का अपना फैसला नहीं बदला है , हम तब तक इंतजार करेंगे जब तक सरकार सड़कें फिर से नहीं खोल देती। हमने अन्य राज्यों के किसानों से 6 मार्च को रेलवे, बसों या किसी अन्य वाहन का उपयोग करके दिल्ली की ओर मार्च करने के लिए कहा है। इससे पहले जगजीत सिंह डल्लेवाल ने बयान जारी करते हुए यह कहा था कि 10 मार्च को 12 से 4 बजे तक रेल रोको आंदोलन होगा।

पाकिस्तान में भारी बारिश से तबाही 37 लोगों की मौत व कई मकान ढहे

पेशावरः पाकिस्तान में पिछले 48 घंटे में बारिश संबंधी घटनाओं में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई जबकि कई मकान ढह गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूरे पाकिस्तान में हुई बारिश के कारण कई घर ढह गए और खासकर खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में भूस्खलन के कारण सड़कें अवरुद्ध हो गईं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि बृहस्पतिवार रात से अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर बच्चे हैं। प्राधिकरण ने कहा कि पिछले 48 घंटे में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर, स्वात, लोअर दीर, मलकंद, खैबर, पेशावर, दक्षिण वजीरिस्तान और लक्की मरवत समेत दस जिलों में हुई मूसलाधार बारिश में 37 लोग घायल हो गए हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा कि बारिश से प्रभावित लोगों को इस नाजुक वक्त में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और उनके नुकसान के लिए उचित मुआवजा दिया जाएगा।

दुविधा व परेशानी में चीन के ग्रामीण श्रमिक खाली गांवों में रहें या शहरों में चले जाएं?

बीजिंगः चीन के कई ग्रामीण निवासी जो वर्षों से शहरी प्रवासी बनकर मध्यम वर्ग की समृद्धि की तलाश में थे, अब खुद को दो विकल्पों के बीच फंसा हुआ महसूस करते हैं कि अपर्याप्त संसाधनों वाले गांवों में रहे या निराशाजनक रोजगार की संभावनाओं के साथ जनसंख्या केंद्रों में धक्के खाने के लिए शहर चले जाएं । वुहान विश्वविद्यालय के एक सर्वेक्षण के अनुसार चीन के तेजी से शहरीकरण ने ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर मुद्दों को भी जन्म दिया है, जिनमें बुजुर्गों की देखभाल की अपर्याप्त पहुंच, तलाक की बढ़ती दर और प्रजनन क्षमता में गिरावट शामिल है। चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो के सहयोग से किया गया यह शोध फरवरी के मध्य में चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के दौरान 115,000 निवासियों - 34,000 ग्रामीण और 81,000 शहरी से एकत्र किए गए डेटा पर आधारित था। रिपोर्ट में कहा गया है, चीन वर्तमान में एक अभूतपूर्व शहरी-ग्रामीण एकीकरण के दौर से गुजर रहा है। रिपोर्ट में शहरों में घर और कार खरीदने वाले किसानों की बढ़ती संख्या और डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन शॉपिंग की लोकप्रियता की ओर इशारा किया गया है।सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल चीन की दो-तिहाई आबादी शहरों में रहती थी, जबकि दो दशक पहले यह संख्या 40 प्रतिशत थी। हालांकि, घरेलू आय और व्यय के बीच बेमेल के कारण, वुहान विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में एक शहरीकृत जीवनशैली एक दुविधापूर्ण जाल, एक छद्म-मध्यम वर्गीय जीवन का सामना कर रही है। लेखकों ने चेतावनी दी है कि ग्रामीण निवासियों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाला जीवन बनाए रखना कठिन होता जा रहा है, जैसा कि गांवों के स्पष्ट रूप से खोखले होने से पता चलता है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 74 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उनके गांवों में 60 प्रतिशत से भी कम लोगों ने रहना पसंद किया है, और 30 प्रतिशत ने कहा कि उनके गांवों में 30 प्रतिशत से कम आबादी देखी जा रही है।इसका तात्पर्य यह है कि एक प्राकृतिक गाँव के भीतर, बड़ी संख्या में किसान परिवारों के दरवाजे साल भर बंद रहते हैं, घर पर कोई नहीं होता है। रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कार्यबल गांव के बाहर कार्यरत है, बच्चे कहीं और स्कूलों में जाते हैं और बुजुर्गों की मृत्यु हो गई है ।

मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए झारखंड भी तैयार- बाबूलाल मरांडी

रांचीः झारखंड में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश कार्यालय में युवा इंटक नेता नेता, यूथ इंटक के प्रदेश अध्यक्ष कुमार रवि चौबे को और उनके सैकड़ों समर्थकों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। कांग्रेस झामुमो छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों में राहुल प्रभात, अंजनी पांडे, सखर आलम, बिलाल शेख, रिजवान अंसारी, अजित टुडू, विश्वनाथ मरांडी, अजय मरांडी, जय प्रकाश, राज शुक्ला, विनोद पासवान, भीम सिंह, विश्वजित सिंह, अजित टुडू, विश्वनाथ मरांडी, नवीन प्रकाश, राज शुक्ला, रविरंजन प्रसाद, मंतोष पाठक, सत्यजीत गुरु, रोशन झा, अश्विनी मिश्रा, अमित कुमार, अजय मरांडी, जयप्रकाश महतो, राजेश गोराई, संतोष यादव, संतन शर्मा, मधुसूधन शर्मा, विद्या ओझा, संजीव कुमार, रूपलाल मांझी, फागु सोरेन, महेश सोरेन, विनोद पासवान, रिजवान अंसारी, आदि शामिल हैं। इस अवसर पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पूरे देश के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने केलिए झारखंड भी तैयार है। मरांडी ने कहा कि लोग लगातार भाजपा के साथ जुड़ रहे हैं। जनता का भरोसा मोदी जी पर बढ़ता ही जा रहा रहा। उन्होंने कहा कि तीसरी बार मोदी सरकार का संकल्प सत्ता के लिए नहीं बल्कि गांव, गरीब किसान मजदूर महिला आदिवासी दलित पिछड़े सभी वर्गों की सेवा के लिए है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में वंचित वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़े हैं। आज 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता के समर्थन से 400 पार का संकल्प पूरा होगा। झारखंड में 14 लोकसभा सीट पर एनडीए की जीत होगी। उन्होंने कहा राज्य में हेमंत पार्ट 2 की सरकार हेमंत सरकार के तर्ज पर ही आगे बढ़ रही। इससे विकास की उम्मीद बेमानी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित झारखंड भी जरूरी है। कहा कि लोकसभा के बाद झारखंड में भी भाजपा के नेतृत्व में मजबूत सरकार बनाने का संकल्प लें। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि भाजपा पार्टी नही परिवार है। रवि चौबे के पार्टी में आने से पार्टी और मजबूत होगी। युवाओं के बीच पार्टी का जनाधार और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य आज मोदी जी के हाथों में सुरक्षित है। हमे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को और मजबूती के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। वहीं कुमार रवि चौबे ने प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी सहित प्रदेश नेतृत्व का पार्टी की सदस्यता दिलाने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही ऐसी एकमात्र पार्टी है, जिसकी स्पष्ट नीति है, विकास का संकल्प और नीयत है और विश्व प्रसिद्ध नेता हैं। उन्होंने कहा मैं पार्टी के कार्यक्रमों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। पार्टी के संकल्प को पूरा करने में पूरी ताकत लगा दूंगा। संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने और धन्यवाद ज्ञापन अशोक बड़ाइक ने किया। पीटीआई के एक प्रवक्ता ने बताया, लाहौर में पुलिस ने 80 कार्यकर्ताओं और नेताओं को पीटा और गिरफ्तार कर लिया। गुजरात शहर में 20 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब के 38 शहरों और संघीय राजधानी इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन हुए। लाहौर में पुलिस ने जीपीओ चौक और लिबर्टी चौक पर प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। प्रवक्ता ने बताया कि मरयम नवाज़ और उनके चाचा शहबाज़ शरीफ के खिलाफ पिछले महीने चुनाव लड़ने वाले पीटीआई नेता मियां शहज़ाद फारूक और अफज़ाल अज़ीम फहट को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने दावा किया कि फारूक ने मरयम को हरा दिया था लेकिन पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने नतीजे बदल दिए। उच्चतम न्यायालय की बार के पूर्व सचिव आफताब बाजवा को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पीटीआई के झंडे दिखाने पर खान के समर्थकों को कारों से बाहर खींचने और पीटने के वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जा रहे हैं। पंजाब पुलिस ने कहा कि उन्होंने सड़क जाम करने वाले प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। शनिवार और रविवार को देश में सोशल मीडिया मंच ‘एक्स% की सेवा भी बाधित रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569